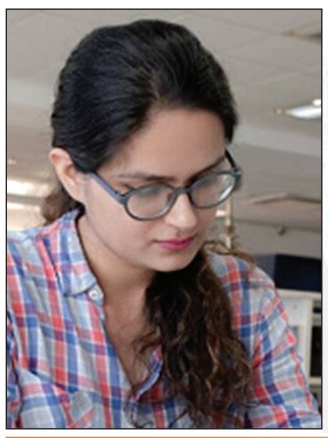

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स पेज: 7

सलमान खान के एक आइडिया ने 'रेडी में मेरे किरदार पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 48 | बुधवार 20 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

22 मिनट, गहरा प्रहार सेना प्रमुख ने खोला 'ऑपरेशन सिंदूर' का राज, इसे बताया स्मार्ट रणनीति

नई दिल्ली एजेंसी: सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के शानदार क्रियान्वयन के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा कि यह हमला सेना की रणनीतिक दृढ़ता का प्रमाण है। राष्ट्रीय राजधानी में भूमि युद्ध अध्ययन केंद्र में सुरक्षा से समृद्धिः सतत राष्ट्रीय विकास के लिए स्मार्ट पावर विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने सैन्य सटीकता, सूचना नियंत्रण, कूटनीतिक संकेत और आर्थिक दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। 12 महीने पहले, भारत ने दुनिया को तथाकथित स्मार्ट पावर प्रश्न का आंशिक उत्तर दिया था। 6 और 7 मई की दरमियानी रात को, मात्र 22 मिनट की अवधि में, ऑपरेशन सिंदूर ने एक सुसंगत राष्ट्रीय कार्रवाई के रूप में सैन्य सटीकता, सूचना नियंत्रण, कूटनीतिक संकेत और आर्थिक दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से यूरोप में बढ़ेगी भारत की धाक, पीएम मोदी की ओस्लो यात्रा के क्या हैं मायने?

नई दिल्ली एजेंसी: हाई लेवल डिप्लोमैटिक और इकोनॉमिक रिलेशन में एक नए चैप्टर का आागाज करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (स्थानीय समय) को ओस्लो में तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर पहुंचे, जिससे उत्तरी यूरोप में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम उठाने की नींव रखी गई। स्वीडन में अपने द्विपक्षीय सम्मेलनों को पूरा करने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो पहुंचे थे। प्रधानमंत्री की उपस्थिति उनके चार देशों के यूरोपीय दौरे के अगले महत्वपूर्ण चरण को दशार्ती है। यह उच्च स्तरीय वार्ता कूटनीति में एक ऐतिहासिक अध्याय खोलती है, जो 1983 में इंदिरा गांधी की यात्रा के

बाद 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की स्कैंडिनेवियाई देश की पहली यात्रा है। शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और पांच नॉर्डिक देशों के उनके समकक्ष, जिनमें आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रुन फ्रॉस्टडॉटिर, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन शामिल हैं, एक साथ आ रहे हैं। ये नेता मिलकर रणनीतिक द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। इन उच्च स्तरीय वाताओं का उद्देश्य सीमा पार वाणिज्यिक संबंधों, तकनीकी संयुक्त उद्यमों और निवेश पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए तात्कालिक आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान करना है। यह राजनयिक प्रयास मंच के पिछले संस्करणों का एक महत्वपूर्ण अनुवर्ती कदम है, जिसकी शुरूआत 2018 में स्वीडन के स्टॉकहोम में हुए पहले शिखर सम्मेलन से हुई थी, जिसके बाद 2022 में डेनमार्क के कोपेनहेगन में दूसरा संस्करण आयोजित किया गया था। इस यात्रा के आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से नॉर्डिक देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को गति मिलेगी और भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और भारत-ईएफटीए टीईपीए (भारत और आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता) के बाद मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में मदद मिलेगी।" इस शिखर सम्मेलन में व्यापक, बहुक्षेत्रीय वाताएं होंगी, जहां पांचों नॉर्डिक देशों के नेता भारत के साथ व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इन विस्तृत चचाओं से पूरे क्षेत्र में सतत आर्थिक सुरक्षा के निर्माण के प्रति साझा प्रतिबद्धता उजागर होती है।

प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, स्वीडन के............

शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और पांच नॉर्डिक देशों के उनके समकक्ष, जिनमें आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रुन फ्रॉस्टडॉटिर, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन शामिल हैं, एक साथ आ रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह का लाल आतंक पर 'अंतिम प्रहार, बोले- देश से नक्सलवाद का हुआ पूर्ण खात्मा

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर का दौरा किया और कहा कि देश से नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि मैं 31 मार्च, 2026 के बाद पहली बार बस्तर आया हूँ। यहाँ केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई। बस्तर के लोगों में उत्साह और भविष्य के प्रति आत्मविश्वास का माहौल हर जगह दिखाई दे रहा है। बस्तर का नक्सल मुक्त होना हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। अमित शाह ने कहा कि कई गैर-भाजपा सरकारों ने हमारे नक्सल मुक्त अभियान का समर्थन किया। लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने नक्सल मुक्त अभियान में हमारा साथ नहीं दिया। 13 दिसंबर, 2023 को यहाँ भाजपा सरकार बनने के तुरंत

बाद, हमने बस्तर में बचे हुए नक्सलियों को निशाना बनाया। सुरक्षा बलों की वीरता, साहस और बलिदान के कारण, निर्धारित तिथि 31 मार्च, 2026 से पहले ही देश से नक्सलवाद का पूर्णतः उन्मूलन हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, हमारा लक्ष्य कौशल विकास के माध्यम से स्वरोजगार, शिक्षा के माध्यम से सरकारी नौकरियां, शिक्षा के माध्यम से निजी रोजगार और कौशल विकास के माध्यम से निजी रोजगार के अवसर पैदा करना है। साथ ही, सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों और महिलाओं को रोजगार से जोड़ना है। यह एक प्रारंभिक कार्य योजना है। पहले चरण के पूरा होने के तुरंत बाद हम एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि यहां लगभग 200 सुरक्षा शिविर स्थापित किए थे। सीआरपीएफ, डीआरजी और छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान इन शिविरों में रहकर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करते थे। लेकिन अब जब बस्तर नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, हमने निर्णय लिया है कि पहले चरण में इन 200 शिविरों में से 70 शिविरों, यानी लगभग एक तिहाई शिविरों को वीर शहीद गुंडाधर सेवा डेरा में परिवर्तित किया जाएगा। जगदलपुर में पहली बार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक आयोजित की जा रही है, जिसमें विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे यादव और धामी का साय ने स्वागत किया।

मुद्रास्फीति पर राहुल गांधी का सीधा हमला, जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और चेतावनी दी कि देश एक बड़े आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार पर आम नागरिकों की चिंताओं को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगाया। बछरावां में एक वेडिंग हॉल का उद्घाटन करने के बाद रायबरेली में एक सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि एक आर्थिक तूफान आ रहा है और दावा किया कि केंद्र सरकार देश को इसके प्रभाव के लिए तैयार करने में विफल रही है। पश्चिम एशिया में तनाव का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा

आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर दिया है, क्योंकि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जिससे होकर दुनिया के तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। राहुल गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह कभी नॉर्वे का दौरा करते हैं, कभी जापान का, जबकि लोगों से विदेश यात्राओं से बचने का आग्रह करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मौजूदा सरकार नहीं बदलती, महंगाई बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी देश से सोना न खरीदने, इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल करने और विदेश यात्रा से बचने का आग्रह करते हैं, लेकिन इसके तुरंत बाद ही वह विदेश यात्रा पर निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि दुख की बात यह है कि एक भयंकर आर्थिक तूफान आ रहा है, जिसे कोई नहीं रोक सकता, ऐसा तूफान हमने अपने जीवन में कभी नहीं देखा। दर्शकों से सवाल करते हुए उन्होंने पूछा कि नुकसान किसका होगा? और उन्होंने जवाब दिया, न तो अंबानी का होगा और न ही अदाणी का। वे अपने महलों में बैठे रहेंगे, जिनकी चारों तरफ से सुरक्षा है। नुकसान भारत के किसानों, मजदूरों, युवाओं, छोटे व्यापारियों और रोजगार पैदा करने वाले छोटे उद्योगों का होगा। गांधी ने कहा कि मैं महीनों से कहता आ रहा हूं कि एक आर्थिक तूफान आने वाला है। मैंने सरकार से तैयारी करने का आग्रह किया है, क्योंकि जनता को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

कांग्रेस संग गठबंधन पर अखिलेश यादव का बड़ा ऐलान, जीत है हमारा सूत्र

लखनऊ एजेंसी: 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए मंच तैयार करते हुए, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि गठबंधन अपने सहयोगियों के साथ भविष्य के चुनावों में भी जारी रहेगा और उन्होंने जोर देकर कहा कि जीत ही सफलता है, सीटें नहीं। यादव ने कहा कि हमने कई गठबंधन किए हैं। हमें गठबंधनों का अनुभव है और समाजवादी पार्टी ने हमेशा अपने सहयोगियों के लिए लाभ सुनिश्चित किया है। हमने कभी किसी को धोखा नहीं दिया। आज जो गठबंधन है, वह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में गठबंधन संबंधी चचाएं सीटों के सौदेबाजी के इर्द-गिर्द नहीं बल्कि चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के इर्द-गिर्द घूमेंगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन में सीटों का सवाल ही नहीं उठेगा। लोकसभा चुनाव के दौरान भी मैंने यही कहा था कि मुद्दा सीटों का नहीं, जीत का है। वही फॉमूर्ला

फिर से काम करेगा। सवाल सीटों का नहीं, जीत का होगा। अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी एकता और संभावित सीट बंटवारे की व्यवस्था पर चल रही चचाओं के बीच ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं।

विपक्ष के चेहरे के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा कि यह महंगाई, ईंधन की बढ़ती कीमतें, अग्निवीर युवा, किसान, मजदूर और साथ ही 69,000 शिक्षामित्र होंगे जिन्हें स्थायी नौकरी नहीं मिली है। जब उनसे स्पष्ट करने को कहा गया, तो उन्होंने कहा कि विपक्ष के लिए किसी चेहरे की क्या जरूरत है? महंगाई खुद ही एक बड़ा चेहरा है। सत्ताधारी पार्टी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि जहां भाजपा का अंत होता है, वहीं से पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्याक - यादव द्वारा गढ़ा गया पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का संक्षिप्त रूप) शुरू होता है। यादव ने कहा कि पीडीए का अर्थ प्रेम, दया, अपनापन भी है। नीट पेपर लीक का जिक्र करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक लोग इसके शिकार हुए हैं।

पेट्रोल-डीजल की महंगाई पर खड़गे का पीएम मोदी पर हमला, जनता की लूट, अडानी को छूट

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ईंधन की कीमतों में हुई हालिया वृद्धि को लेकर हमला बोला और सरकार पर नागरिकों पर बोझ डालने और कथित तौर पर व्यापारिक हितों की रक्षा करने का आरोप लगाया। उनकी यह टिप्पणी मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि के बाद आई है। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा लगभग चार साल के अंतराल के बाद कीमतों में संशोधन समाप्त करने के बाद एक सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी वृद्धि है। एक्स से बात करते हुए खरगे ने कहा कि कीमतों में वृद्धि के महज चार दिन बाद, मोदी सरकार ने एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आम जनता को लूटना और अडानी को अमेरिका में खुली छूट देना - यही मोदीजी का समझौतावादी मॉडल है। खरगे की टिप्पणी न्यूयॉर्क में प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी मामले में गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से हटाने के अमेरिकी न्याय विभाग के फैसले के संदर्भ में थी। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने के मामले में सरकार पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि मोदी जी, जो खुद को 'विश्वगुरु' बताकर झूठा गर्व जताते हैं, उन्होंने रूस से तेल खरीदने की 'अनुमति' के लिए अमेरिका से एक महीने का विस्तार देने की भीख मांगी है। जब भी वे ऐसा करते हैं, वे 1.4 अरब भारतीयों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाते हैं। किसी भी पिछली सरकार ने कभी इस स्तर तक नहीं गिरा। ईंधन की कीमतों में वृद्धि पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि अब सवाल यह है कि अगर सरकार के अनुसार हमें ऐसा करने की 'अनुमति' मिल चुकी है

सीएम विजय इस हफ्ते कर सकते हैं कैबिनेट विस्तार, कांग्रेस के 2 विधायक बन सकते हैं मंत्री

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने 10 मई को राज्य की 17वीं विधानसभा के प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया। नवगठित सरकार अपने पहले पूर्ण सत्र और महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णयों की तैयारी में है, ऐसे में उनसे मंत्रिमंडल में बड़े विस्तार की उम्मीद है। विजय ने नौ मंत्रियों के साथ शपथ ली। सूत्रों के अनुसार विजय इस हफ्ते कैबिनेट का विस्तार कर सकते हैं। कांग्रेस के 2 एमएलए को मंत्री बनाया जा सकता है। एन आनंद, आदव अर्जुन और के.ए. सेंगोत्तैयान सहित कई नेताओं के शामिल होने से राज्य में एक नए राजनीतिक युग की शुरूआत हुई है। सरकार के सत्ता में आने के बाद, सत्तारूढ़ गठबंधन और समर्थक समूहों में व्यापक प्रतिनिधित्व को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। विक्रवंडी में तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के पहले सम्मेलन के दौरान, विजय ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार को समर्थन देने वाले

दलों और समूहों को शासन में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। उस आश्वासन के अनुरूप, राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि चुनाव के बाद गठबंधन में शामिल हुई कांग्रेस पार्टी को प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार में दो मंत्री पद मिल सकते हैं। इसी तरह, एआईएडीएमके से अलग हुए और बाद में विजय के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने वाले एस.पी. वेलुमणि गुट से जुड़े नेताओं को भी सरकार में प्रतिनिधित्व मिलने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, इस गुट को अधिकतम पांच मंत्रिमंडल पदों के लिए विचार किया जा सकता है। वहीं, सरकार का समर्थन करने वाली अन्य पार्टियां और समर्थक समूह भी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विस्तारित मंत्रिमंडल संरचना को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं और गठबंधन सहयोगियों और समर्थक नेताओं के साथ परामर्श जारी है। सूत्रों का कहना है कि अगले कुछ दिनों में चर्चा पूरी करने और मंत्री पदों की सूची तैयार करने के प्रयास जारी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि अंततः मंत्रिमंडल का विस्तार लगभग 34 सदस्यों तक हो जाएगा।

सीएम सम्राट का अफसरों को अल्टीमेटम, 30 दिन में दो समाधान, वरना 31वें दिन होंगे सस्पेंड

पटना: बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने जमीनी स्तर पर नागरिकों की शिकायतों के समाधान के उद्देश्य से एक व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। मंगलवार (19 मई) से राज्य भर की प्रत्येक पंचायत में विशेष सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में भाग लेने वाले अधिकारियों को 30 दिनों के भीतर शिकायतों का निपटारा करना होगा, अन्यथा 31वें दिन स्वतः निलंबन का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने सारण जिले के सोनपुर के दुमरी बुजुर्ग गांव में इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। राज्य सरकार के ढांचे के अनुसार, अधिकारियों को लंबित आवेदनों के लिए पहला नोटिस प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर जारी करना होगा। दूसरा नोटिस बीसवें दिन जारी किया जाएगा। सभी आवेदनों का निपटारा 30 दिनों के भीतर करना अनिवार्य है। न्यायिक प्रक्रियाओं के अंतर्गत आने वाले मामलों को छोड़कर, किसी भी आवेदन को लंबित रहने की अनुमति नहीं है। इन समय सीमाओं का पालन न करने वाले किसी भी अधिकारी को मुख्यमंत्री सचिवालय से सीधे निलंबित कर दिया जाएगा। निगरानी

प्रणाली वास्तविक समय में काम करेगी और प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को शिविर आयोजित किए जाएंगे। सभी जिला प्रभारी मंत्रियों को सहयोग शिविरों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। पटना जिले में उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी दानापुर, नौबतपुर और पुनपुन ब्लॉकों की नामित पंचायतों का दौरा करेंगे। शिविर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होंगे और पंचायत भवन या निकटतम सार्वजनिक स्थान पर आयोजित किए जाएंगे। सर्कल, ब्लॉक और पुलिस स्टेशन स्तर के अधिकारी एक साथ बैठकर शिकायतें सुनेंगे और उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण अपनी शिकायतें शिविर के निर्धारित आयोजन से 30 दिन पहले या शिविर के दिन ही दर्ज करा सकते हैं। सभी शिकायतों को सहकारिता पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा ताकि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा वास्तविक समय में निगरानी की जा सके। भूमि विवाद, म्यूटेशन, राजस्व मामले, जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पेंशन, एमजीएन आरईजीए, प्रधानमंत्री आवास योजना और बिजली, पानी, सड़कें, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी सुविधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान किया जाएगा। नागरिक सहायता के लिए राज्य की सहकारिता हेल्पलाइन नंबर 1100 का भी उपयोग कर सकते हैं। शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि उनका कार्यालय पूरी प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहला नोटिस दस दिनों में, दूसरा बीस दिनों में और तीसरा पच्चीस दिनों में जारी किया जाएगा। यदि अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी मुद्दे का समाधान करने में विफल रहते हैं, तो उन्होंने चेतावनी दी कि 31वें दिन स्वतः ही निलंबन आदेश जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को शिविर आयोजित किए जाएंगे। सभी मंत्री आज तीन ब्लॉकों का दौरा कर रहे हैं।

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पंचायत-स्तरीय 'सहयोग शिविर' शुरू किए हैं, जिसके तहत अधिकारियों को 30 दिनों के भीतर जनशिकायतों का निपटारा करना अनिवार्य है, अन्यथा 31वें दिन स्वतः निलंबन की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

मुनाफे का जानलेवा खेल

इंसानी जीवन मूल्यों में किस हद तक गिरावट आई है कि कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये दूसरे लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते। अब चाहे सुकोमल व बीमारियों के संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील छोटे बच्चे ही क्यों न हों। निस्संदेह, जीवनदायिनी दूध में मिलावट, इंजेक्शन लगे फल-सब्जी तथा नकली दवाइयों का कारोबार जैसे घातक कृत्य से मुनाफा कमाने में लगे लोगों की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं। कल्पना करें कोई बीमार व्यक्ति सेहत के लिये दूध का सेवन करे और उसे रासायनिक पदार्थों से मिला दूध मिले तो वह स्वस्थ होने के बजाय बीमार ही हो जाएगा। ऐसा ही नकली-मिलावटी दवाइयों के बाबत कहा जा सकता है कि कोई बीमारियों से मुक्त होने हेतु दवा खरीदे और उसे नकली दवाइयां बेच दी जाएं। लेकिन इससे भी घातक वह कुकृत्य है जिसमें पंजाब में बायोमेडिकल कचरे की अवैध रीसाइक्लिंग से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दुखद ही है कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों से एकत्र खतरनाक बायोमेडिकल कचरे को निर्धारित नियमों को ताक में रखकर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा जा रहा था। जबकि सख्त नियमों के अंतर्गत प्रावधान है कि बायोमेडिकल कचरे को अनिवार्य रूप से नष्ट किया जाना चाहिए। खबरें तो ऐसी भी आई हैं कि बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल,जानलेवा अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं। कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये यह जानलेवा काम कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह कि नियामक तंत्र की मौजूदगी में ये खेल कैसे चल रहा था? उल्लेखनीय है कि पंजाब में अमृतसर, लुधियाना,मुक्तसर,मोहली, नकोदर और पठानकोट में छह बोयोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट की सुविधाएं मौजूद हैं।

चिंतन-मनन

अकर्मण्य न बनें

एक कहानी है। एक राजा था। उसे मंत्री की नियुक्ति करनी थी। वह नियुक्ति से पूर्व परीक्षा करना चाहता था। पांच-सात व्यक्ति आए। उसने सबको एक कमरे में बिठाकर कहा, आप सब यहां बैठें। मैं कमरे के बाहर ताला लगा देता हूं। जो भी ताले को खोलकर बाहर निकल आएगा, उसे मंत्री बनाऊंगा।

सबने सुना-सोचा- कितनी विचित्र परीक्षा। दरवाजा बंद। बाहर से ताला बंद और भीतर वालों से कहे कि बाहर आओ। यह असंभव है। छह व्यक्तियों ने सोचा, राजा पागल हो गया है। यह भी कोई परीक्षा होती है! दूसरे प्रकार से भी परीक्षा ली जा सकती थी। बाहर जाना कैसे संभव हो सकता है? वे हाथ पर हाथ रख बैठे रहे। कुछ पराप्रम नहीं किया। सातवां व्यक्ति अकर्मण्य नहीं था, पुरूषार्थी था।

उसने सोचा, जरूर इस शर्त में कोई रहस्य है। राजा ?सी शर्त क्यों रखता? मुझे अपना पुरूषार्थ करना है। वह उठा। दरवाजे के पास गया। उसे जोर से ढकेला, वह खुल गया। उसने बाहर आकर राजा का अभिवादन किया। दरवाजे पर कोई ताला लगाया ही नहीं था, केवल सबको भुलावे में रखा था। राजा जानना चाहता था कि कौन कर्मण्य है और कौन अकर्मण्य। उन्होंने सोचा, जब बाहर ताला है तब दरवाजा कैसे खुलेगा? इसी भ्रम ने उन्हें अकर्मण्य बना डाला। वे बाजी हार गए। जिसने पुरूषार्थ किया, कर्मण्यता का परिचय दिया, वह जीत गया। वह मंत्री बन गया। साधना का क्षेत्र निर्विघ्न नहीं है। उसमें अनेक भुलावे हैं। उन भुलावों से साधक यदि अकर्मण्य बन साधना को भुला देता है तो साधना से भटक जाता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कृषि आधारित उद्योग है मधुमक्खी पालन

संजय गोस्वामी

विश्व मधुमक्खी दिवस हर साल 20 मई को मनाया जाता है?इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैमधुमक्खी एक सामाजिक कीट का सबसे अच्छा उदाहरण है जो शहद इकट्ठा करती है और अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। यह कीट हाइमनोप्टेरा गण के एपिस परिवार के अंतर्गत आता है। भारत में मधुमक्खियों की तीन प्रजातियाँ पाई जाती हैं, भारतीय मधुमक्खी (एपिस इंडिका), रॉक शहद मधुमक्खी (एपिस डोरसोटा) और छोटी शहद मधुमक्खी (एपिस फ्लोरिया)। एक विदेशी शहद मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) जिसे इटालियन या यूरोपीय शहद मधुमक्खी कहा जाता है, अब भारत में स्थापित हो गई है और इसका उपयोग व्यावसायिक मधुमक्खी पालन के लिए किया जा रहा है। मधुमक्खियों के प्रकार - मधुमक्खियों की उपरोक्त चार प्रजातियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है - (1) भारतीय शहद मधुमक्खी (एपिस सेराना इंडिका) - यह शहद मधुमक्खी पूरे भारत में पाई जाती है। यह पीले भूरे रंग की होती है। यह पुरानी इमारतों, जंगलों, पेड़ों की खोखली दीवारों, गुफाओं आदि जैसे अंधेरे स्थानों में 6-8 समानांतर छत्ते बनाती है। ये मधुमक्खियां स्वभाव से कोमल और शांत होती हैं और इन्हें आसानी से पाला जा सकता है। मधुमक्खी पालक इन्हें प्राकृतिक घरों से पकड़ते हैं और मधुमक्खी के बक्सों में पालते हैं। यह एक उद्यमी मधुमक्खी है तथा अच्छी मात्रा में शहद एकत्रित करती है। औसतन प्रति वर्ष एक कॉलोनी से 2-3 किलोग्राम शहद प्राप्त होता है। (2) रॉक मधुमक्खी (एपिस डोरसाटा)- इस मधुमक्खी को भौंरा या भौंरा भी कहते हैं। यह सम्पूर्ण भारत में पाई जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में यह समुद्र तल से 1000 मीटर की ऊँचाई तक पाई जाती है। इसकी कॉलोनियाँ कम तापमान पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती हैं। ये मधुमक्खियाँ एक ही छत्ता बनाती हैं जो लगभग 1.5 से 2.1 मीटर चौड़ा तथा 0.6 से 1.2 मीटर लंबा होता है। इनका छत्ता आमतौर पर चट्टानों पर लटका होता है। ये मधुमक्खियाँ बहुत आक्रामक स्वभाव की होती हैं तथा परेशान करने पर मनुष्यों का पीछा कर उन पर हमला कर देती हैं। ये बड़ी मात्रा में शहद एकत्रित करती हैं। ये अपना काम सुबह जल्दी शुरू कर देती हैं। प्रति वर्ष एक छत्ते से 40 किलोग्राम तक शहद प्राप्त होता है। शहद आमतौर पर छत्ते के अगले भाग में मिलता है। (3) छोटी मधुमक्खी -एपिस फ्लोरिया) - यह मधुमक्खी पूरे देश में पाई जाती है लेकिन समुद्र तल से 335 मीटर की ऊंचाई पर बहुत कम पाई जाती है। यह बार-बार अपना स्थान बदलती रहती है तथा इसकी कॉलोनी एक छत्ते पर 5 महीने से अधिक नहीं रहती। यह मधुमक्खी एक छत्ता बनाती है जिसका आकार हथेली के बराबर होता है। यह अपना छत्ता शाखाओं, बाड़ों, पेड़ों, गुफाओं, घरों की चिमनियों, खाली बक्सों, लकड़ियों के ढेर आदि पर बनाती है। इसकी रानी सुनहरे भूरे रंग की होती है। मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित उद्योग है, जिसकी जानकारी बहुत सरल है। इसमें लागत कम, आमदनी अधिक तथा कम समय में अधिक लाभ प्राप्त होता है। गांवों में आर्थिक विकास के लिए मधुमक्खी पालन से अच्छा कोई घरेलू रोजगार नहीं है। जानकारी की सहजता के कारण कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी इस व्यवसाय को कुशलता से कर सकता है। गरीब, भूमिहीन भी 5 से 10 मधुमक्खी बक्सों की कम पूंजी से यह व्यवसाय शुरू कर 3 साल के भीतर 50-100 बक्सों का मालिक बन सकता है तथा मधुमक्खियां, मोम व शहद बेचकर सालाना लाखों रुपए कमा सकता है। चूंकि इस काम में ज्यादा शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती, इसलिए ग्रामीण महिलाएं और बच्चे अपने घरेलू कामों के साथ इसे आसानी से कर सकते हैं। चूंकि इसमें ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती, इसलिए बेरोजगार युवा भी इसे अपने रोजगार का जरिया बना सकते हैं। मधुमक्खी पालन से गांवों में मधुमक्खी के बक्से और अन्य उपकरण बनाने वाले छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा मिलता है। स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के लिए यह एक बेहतरीन घरेलू उद्योग है। मधुमक्खियां सामाजिक कीट हैं, जिनके परिवार में एक मां मधुमक्खी या रानी मधुमक्खी होती है जो सिर्फ अंडे देती है, दूसरा सदस्य नर मधुमक्खी होता है जो सिर्फ गभाधार्न की प्रक्रिया करता है। ये आकार में बड़ी, डंक रहित और पेट के आखिरी हिस्से पर घने बाल वाली होती हैं और काले रंग की होती हैं। तीसरा सदस्य श्रमिक मधुमक्खी होती है, जो संख्या में सबसे ज्यादा होती है। एक अच्छी मधुमक्खी कॉलोनी में इनकी संख्या 30000-500000 तक हो सकती है। ज्यादातर काम श्रमिक मधुमक्खियां ही करती हैं। अंडे से रानी को वयस्क बनने में 15-16 दिन, श्रमिक मधुमक्खी को 20-21 दिन और नर मधुमक्खी को 23-24 दिन लगते हैं। वयस्क होने के लगभग तीन सप्ताह की आयु तक श्रमिक मधुमक्खी घर के अन्दर के कार्य जैसे सफाई, रानी और बच्चों को खिलाना और सुरक्षा देना, छत्ते बनाना, शहद तैयार करना आदि करती है। अपना घर बनाने के लिए मधुमक्खी अपने उदर ग्रन्थियों से मोम बनाती है और अपने भोजन के लिए फूलों से रस और रस एकत्रित करती है। मधुमक्खी के सेल में दो भाग होते हैं, ब्रूड सेक्शन और शहद सेक्शन। ब्रूड सेक्शन में मधुमक्खी वंश का प्रजनन चलता है और शहद सेक्शन में शहद एकत्रित किया जाता है। ब्रूड सेक्शन में मूल वंश को रखा जाता है और आवश्यकतानुसार उसे ब्रूड चैम्बर में रखा जाता है और फ्रेम में मोमी अटैचमेंट लगाकर सुपर किया जाता है। इससे मधुमक्खी अपने स्वभाव के अनुसार छत्ते बनाती है। जब मधुमक्खियां छत्तों में शहद जमा कर देती है और लगभग तीन चौथाई सेल पर कैप लगा देती है तो शहद निकालने वाली मशीन से छत्तों को घुमाकर शहद निकाला जाता है। इस प्रक्रिया में न तो मधुमक्खियों के बच्चे मरते हैं और न ही छत्ता नष्ट होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्मी में योग : स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

कांतिलाल मांडोत

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी–मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग।

योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है।

गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है।

आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है।

योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है।

योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है। योग करने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित बना रहता है। उसमें सहनशीलता और सकारात्मकता बढ़ती है। यही कारण है कि आज डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी योग को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने लगे हैं।

विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, रूस और यूरोप के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहाँ लोग मानसिक तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली से परेशान होकर योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे समझ चुके हैं कि केवल भौतिक सुखों से जीवन में शांति नहीं मिल सकती। भारत की यह प्राचीन विद्या आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखा रही है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि जहाँ विदेशी लोग योग को अपनाकर लाभ उठा रहे हैं, वहीं अनेक भारतीय इससे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। जबकि योग हमारी अमूल्य धरोहर है। यदि हम इसे अपने जीवन में अपनाएँ, तो अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकते हैं।

योग में अपार शक्ति छिपी हुई है। यह व्यक्ति के भीतर सोई हुई ऊर्जा को जागृत करता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखी बना सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह शरीर को शीतलता देता है, मन को शांति प्रदान करता है और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है।

अंततः कहा जा सकता है कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन जीने की कला है। यह मनुष्य को रोगों, तनाव और अशांति से दूर ले जाकर सुख, शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रसन्न और संतुलित जीवन जी सकेंगे। यही योग का वास्तविक उद्देश्य और सबसे बड़ा लाभ है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सादगी संयमित उपयोग से निकलेगा संकट का समाधान

कैसा विरोधाभास है जिस समय विपक्ष को मौजूदा वैश्विक संकट के दौर में सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर देशवासियों को संयम मितव्ययता और सहयोग की प्रेरणा देने का नैतिक दायित्व निर्वहन करना चाहिए उस समय समूचा विपक्ष पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर अपनी कुंठा निकाल रहा है। यही हमारे देश की औछी राजनीति और नेताओं की स्वार्थी और सिर्फ कुर्सी पाने की लिप्स तक सीमित सोच का नतीजा है। आपको बता दें कि दुनिया के बदलते हालात ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी देश वैश्विक संकटों से पूरी तरह अलग रहकर सुरक्षित नहीं रह सकता। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव कच्चे तेल की आपूर्ति, गैस, उर्वरक, खाद्य तेल, विदेशी मुद्रा भंडार और घरेलू महंगाई तक दिखाई देने लगा है। भारत जैसे विशाल और ऊर्जा निर्भर देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचाने, गैर-जरूरी खर्च घटाने और एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील केवल सामान्य सलाह नहीं, बल्कि आने वाले आर्थिक दबावों के प्रति देश को तैयार करने का संकेत है। साथ ही यह समय की मांग भी है। इस अपील को और प्रभावी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने काफिले का आकार कम करने का निर्णय लिया है। यह कदम सिर्फ दिखावा नहीं है यह व्यवहारिक प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी साबित हुआ है। जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व मितव्ययिता को अपने आचरण में उतारता है, तो उसका संदेश नीचे तक जाता है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा में तैनात विशेष सुरक्षा दल को निर्देश दिया है कि सुरक्षा मानकों से कोई समझौता किए बिना काफिले में वाहनों की संख्या कम की जाए। साथ ही, जहां तक संभव हो, नई गाड़ियां खरीदे बिना इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने की दिशा में भी काम किया जाए। यह निर्णय बताता है कि संकट के समय केवल जनता से अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि नेतृत्व को स्वयं उदाहरण बनना होता है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री के निर्देशों का पालन शुरू भी हो चुका है। हैदराबाद में उनके संबोधन के बाद गुजरात और असम में उनके काफिले में वाहनों की संख्या घटाई गई है।अधिकांश भाजपा और एनडीए नीत सरकारों वाले राज्यों में तमाम मंत्रियों अधिकारियों ने इस तरह के कदम उठाए। हालांकि पीएम सुरक्षा से जुड़े अनिवार्य नियमों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यह जरूरी भी है, क्योंकि प्रधानमंत्री की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि सुरक्षा व्यवस्था के भीतर भी विवेकपूर्ण खर्च और संसाधनों का संतुलित उपयोग हो। यही संतुलन आज देश के हर स्तर पर अपनाने की जरूरत है। पश्चिम

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इसी दिशा में पहल की है। विधायक पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों को केवल आवश्यक वाहनों को ही काफिले में रखने को कहा गया है। उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा और केंद्रीय सुरक्षा प्राप्त है, इसलिए उनके काफिले में स्वाभाविक रूप से अधिक वाहन रहते हैं। फिर भी प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए काफिले को सीमित करने का निर्णय लिया। देश के अन्य मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों द्वारा भी इस तरह की पहल की जानी चाहिए। संकट के समय सरकार के बड़े पदों पर बैठे लोगों का व्यवहार जनता के मनोबल को प्रभावित करता है। आज आवश्यकता केवल सरकारी कटौती की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन की है। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह चिंता व्यक्त की है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन यदि यह संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो आम उपभोक्ताओं को भी ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। यह बयान चेतावनी भी है और तैयारी का संकेत भी। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास किया है। इसके लिए शुल्क में कमी, नियंत्रित कीमतों में सीमित समायोजन और राजकोषीय संतुलन जैसे उपाय किए गए हैं। लेकिन कोई भी सरकार अनिश्चित काल तक अंतरराष्ट्रीय बाजार की बड़ी हुई कीमतों का पूरा बोझ स्वयं नहीं उठा सकती। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचना स्वाभाविक होगा। ऐसे में ईंधन की बचत केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन जाती है। भारत की पश्चिम एशिया पर निर्भरता बहुत गहरी है। हमारे कुल आयात और निर्यात का बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से जुड़ा है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का बड़ा भाग भी इसी क्षेत्र से आता है। उर्वरक और गैस आपूर्ति में भी इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका अर्थ है कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता केवल पेट्रोल पंपों पर कीमत बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगी। इसका असर खेती, उद्योग, रसोई, परिवहन, व्यापार और रोजगार तक दिखाई दे सकता है। इसलिए इस संकट को केवल तेल संकट मानना भूल होगी। यह व्यापक आर्थिक चुनौती है। आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले झटकों का सबसे तीखा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अभी भी काफी अधिक है। यदि ईंधन महंगा होता है, तो माल ढुलाई महंगी होती है। माल ढुलाई महंगी होती है तो सब्जी, अनाज, दाल, दूध, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। इस तरह तेल की कीमत में वृद्धि धीरे-धीरे आम आदमी की थाली तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि इस समय इंधन बचत को केवल पर्यावरण या परिवहन का मुद्दा नहीं समझना चाहिए। यह महंगाई नियंत्रण से भी सीधे जुड़ा हुआ है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों के सामने चुनौती यह है कि वैश्विक संकट का घरेलू असर सीमित रखा जाए। मौद्रिक नीति महंगाई को नियंत्रित करने का एक साधन हो सकती है, लेकिन आपूर्ति पक्ष के बड़े झटकों से केवल ब्याज दरों के सहारे नहीं निपटा जा सकता। इसके लिए सरकार, उद्योग, प्रशासन और जनता सभी को मिलकर काम करना होगा। जहां सरकार खर्च में अनुशासन लाए, वहीं नागरिक भी अपनी जीवनशैली में थोड़ी सावधानी बरतें। अनावश्यक यात्रा, दिखावटी खर्च, अत्यधिक ईंधन खपत और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करना समय की जरूरत है। प्रधानमंत्री द्वारा सोने की खरीद टालने की अपील भी इसी व्यापक आर्थिक सोच का हिस्सा है। भारत में सोना भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन बड़े पैमाने पर सोना आयात करने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। संकट के समय यदि लोग कुछ समय के लिए सोने की गैर-जरूरी खरीद को टालते हैं, तो इससे देश को राहत मिल सकती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत से आयात बिल कम करने में सहायता मिलेगी। छोटी-छोटी बचतें जब करोड़ों नागरिकों द्वारा की जाती हैं, तो उनका प्रभाव बहुत बड़ा हो जाता है। संकट के समय राष्ट्रों की असली शक्ति केवल सेना, मुद्रा भंडार या सरकारी नीतियों से नहीं मापी जाती। वह जनता के अनुशासन, नेतृत्व के आचरण और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी से भी तय होती है। आज भारत के सामने अवसर है कि वह संयम, मितव्ययिता और आत्मनियंत्रण के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदले। प्रधानमंत्री द्वारा काफिले में कटौती का कदम इसी दिशा में एक संदेश है कि कठिन समय में शुरूआत ऊपर से होनी चाहिए। अब आवश्यकता है कि यह संदेश सरकार के हर विभाग, हर राज्य, हर संस्था और हर नागरिक तक पहुंचे। यह समय भय का नहीं, समझदारी का है। यह समय घबराहट का नहीं, तैयारी का है। यदि नेतृत्व उदाहरण प्रस्तुत करे और जनता सहयोग दे, तो वैश्विक संकटों का असर कम किया जा सकता है। मितव्ययिता कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्व राष्ट्र का गुण है। आज देश को यही समझना होगा कि बचाया गया ईंधन, टाली गई अनावश्यक खरीद और रोका गया फिजूल खर्च केवल व्यक्तिगत बचत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय योगदान है। कठिन दौर में संयम ही सबसे बड़ा समाधान है।

प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है ग्राम पंचायत मानकजूड़ी

अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत मानकजूड़ी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। ग्राम प्रधान पति गुड्डू सरकार शासनादेशों की धज्जियां उड़ाते हुए विकास कार्यों में अनियमितताओं के आरोपों में घिर गए हैं। पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर कई लाख रुपये खर्च होने के बावजूद जमीनी हकीकत कुछ और ही है। अधिकांश कार्य सिर्फ कागजों पर ही सिमटकर रह गए हैं। स्थानीय निवासी सतीश कुमार की पत्नी सरिता ने ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके घर के सामने गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जलभराव की समस्या इतनी गंभीर है कि आने-जाने में रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरिता ने बताया कि यह समस्या केवल वर्तमान ग्राम प्रधान के कार्यकाल की नहीं है, बल्कि पिछले प्रधान के समय से चली आ रही है। गली का कोई विकास कार्य नहीं हुआ और सफाई कर्मचारी भी नियमित सफाई नहीं करते। नतीजतन, गंदगी और जलजमाव स्थानीय निवासियों के लिए सिरदर्द बना हुआ है।ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 25 मई को समाप्त होने वाला है। ऐसे में आरोप है कि वर्तमान ग्राम प्रधान केवल सरकारी धनराशि को हड़पने में लगा है। विकास कार्यों की अनदेखी और फर्जी बिलों के जरिए धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो पंचायत की विकास योजनाएं पूरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

पुलिस को लूट की झुठी सूचना देने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना हसनपुर पुलिस ने लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से एक अदद मोटर साईकिल और 290000 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना हसनपुर पुलिस ने यह सफलता हासिल की। मिली जानकारी के अनुसार 18 मई को वीरेन्द्र सिंह पुत्र सरदारसिंह नि0ग्राम दौलतपुर नहरी थाना रजबपुर जनपद अमरोहा द्वारा सूचना दी गई थी कि वह बैंक से 2 लाख 90 हजार रुपये निकाल कर अपने घर ले जा रहा था, तभी ग्राम ताहरपुर मोड के पास अपाचे बाईक पर सवार दो व्यक्ति ने रोककर उनके पैसे लूट लिए। जांच में पुलिस टीम ने पाया कि वीरेन्द्र सिंह ने षडयन्त्र रच कर अपने रुपये एक व्यक्ति के घर रख दिए थे और थाने पर झूठी सूचना दी। जिसके बाद अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 281/2026 धारा 318(4)/217/317(3) इठर पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही अमल में लायी गयी है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी, क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

दक्ष प्रजापति की जयंती महोत्सव में C.M योगी को मुख्य अतिथि बनाने हेतु सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर को दिया ज्ञापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय भगवान श्री दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन समिति द्वारा 25 जुलाई 2026 को प्रस्तावित इस महोत्सव में प्रदेश के मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने हेतु अमरोहा लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद कंवर सिंह तंवर को सहमति पत्र सौंपा गया। बता दें कि आयोजन समिति के प्रतिनिधियों ने सांसद को अवगत कराया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव पूर्ण हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष आरपी फार्म हाउस गजरौला में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 5000 लोगों की उपस्थिति रही थी, जबकि इस वर्ष प्रदेश भर से समाज बंधुओं, प्रबुद्धजनों, राजनीतिक एवं सामाजिक हस्तियों सहित लगभग 25 हजार से 35 हजार लोगों की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।समिति पदाधिकारियों ने बताया कि यह महोत्सव सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना तथा युवाओं के उत्साहवर्धन का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में समाज के लोग प्रतिभाग करेंगे।इस अवसर पर सांसद महोदय से अनुरोध किया गया कि वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में सुनिश्चित कराने हेतु अपना सहयोग एवं सहमति प्रदान करें। आयोजन समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि माननीय मुख्यमंत्री एवं सांसद की उपस्थिति से कार्यक्रम को नई ऊर्जा एवं व्यापक पहचान प्राप्त होगी। भगवान श्री दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव समिति ने सांसद महोदय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सदैव उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन का ऋणी रहेगा। इस अवसर पर डॉक्टर उत्तम सिंह प्रजापति अध्यक्ष ,रजनीश कुमार प्रजापति संयोजक ,विजय पाल सिंह प्रजापति सहसंयोजक ,उमेश चंद्र प्रजापति सहसंयोजक, सुरेश प्रजापति ,उमेश प्रजापति, सोनू प्रजापति, विजय कुमार प्रजापति, आदि लोग उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में एनएचएम कर्मियों का वेतन को लेकर धरना-प्रदर्शन, 21 से कार्य बहिष्कार की चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा सीएचसी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों ने वेतन न मिलने को लेकर मंगलवार को भी अपना धरना प्रदर्शन जारी रखा। इस दौरान उन्होंने काली पट्टी बांधकर धरना प्रदर्शन किया। वहीं कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन को शांतिपूर्ण तरीके से सफल बनाने हेतु अस्पताल में मौजूद मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एवं चिकित्सा सेवाओं को बाधित ना करते हुए अपनी ड्यूटी सामान्य रूप से जारी रखी।

बता दें कि जानकारी देते हुए कर्मचारियों ने बताया कि काली पट्टी बांधकर यह विरोध प्रदर्शन अगले तीन दिनों तक जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और वेतन का भुगतान नहीं किया, तो 21 मई से सीएचसी परिसर में ही अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन और कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा।विरोध प्रदर्शन में शामिल डॉक्टरों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने वेतन न मिलने से हो रही परेशानियों को साझा किया। डॉ. कुलदीप शर्मा ने बताया कि दो महीने से वेतन न मिलने के कारण बच्चों की स्कूल फीस और घर के दैनिक खर्चों का प्रबंधन करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल आने-जाने के लिए पेट्रोल का खर्च भी भारी पड़ रहा है। डॉ. अनामिका चौधरी ने कहा कि वेतन के अभाव में दैनिक जरूरतों को पूरा करना कठिन हो गया है। स्टाफ नर्स मुस्कान कटियार ने बताया कि वह 500 किलोमीटर दूर से आकर यहां नौकरी कर रही हैं और वेतन न मिलने के कारण कमरे का किराया नहीं दे पाई हैं, जिसके चलते मकान मालिक ने कमरा खाली करने की चेतावनी दी है।इस विरोध प्रदर्शन में डॉ. मोहम्मद परवेज, डॉ. सीमा गौरव, डॉ. शिरीन परवीन, डॉ. कुलदीप शर्मा, मोहित कुमार बिश्नोई, दीपा यादव, प्रशांत कुमार, सुनील कुमार, संदीप कुमार, रवि कुमार, मुस्कान कटियार, अभिषेक वर्मा, ममतेश कुमारी, अंशु कुमारी, अनुपम कुमार, आस मोहम्मद और बीना कुमारी सहित सभी एनएचएम कर्मचारी शामिल रहे।

धनौरा क्षेत्र में किसान नेता के पौत्र पर ट्रैक्टर हड़पने व धमकी देने का आरोप,कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में एक किसान नेता के पौत्र पर ट्रैक्टर हड़पने एवं धमकी देने का मामला सामने आया है। धनौरा थाना पुलिस ने इस मामले में कोर्ट के आदेश पर एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बता दें कि धनौरा थाना क्षेत्र के गांव चुचैला कलां निवासी मोहम्मद अनस पुत्र महबूब ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उन्होंने 27 दिसंबर 2023 को मंडी धनौरा स्थित एएस एग्रीकल्चर फार्म से करीब 5 लाख 17 हजार रुपये में एक नया ट्रैक्टर खरीदा था, जिसका नंबर यूपी 23 एपी 7219 है। यह ट्रैक्टर बैंक फाइनेंस पर भी लिया गया था।अनस के अनुसार, वह इस ट्रैक्टर का उपयोग खेती के साथ-साथ किराए पर जुताई के काम के लिए करते थे। इसी दौरान मंडी धनौरा क्षेत्र के मोहल्ला कटरा निवासी सरजीत सिंह पुत्र जगतवीर ने आम के बाग की जुताई कराने के बहाने ट्रैक्टर मांगा और अपने चालक के साथ उसे अपने साथ ले गया।पीड़ित का कहना है कि सरजीत सिंह ने कुछ दिनों में ट्रैक्टर और किराया वापस करने का आश्वासन दिया था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी ट्रैक्टर वापस नहीं किया गया। बार-बार संपर्क करने पर उन्हें टालमटोल का सामना करना पड़ा।अनस ने आरोप लगाया कि 17 मार्च 2026 को वह अपने पिता और भाई के साथ ट्रैक्टर और बकाया राशि मांगने पहुंचे, जहां आरोपी ने ट्रैक्टर लौटाने से इनकार करते हुए गाली-गलौज की और धमकी देकर भगा दिया।

इस मामले में न्यायालय के आदेश के बाद धनौरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया कि कोर्ट के निर्देश पर मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी गई है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

14 मुकदमों में वांछित शातिर बदमाश सहित 3 अभियुक्त गिरफ्तार

तीन चोरी की गई भैंसों को ले जा रहे थे बेचने, तभी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान कर लिया गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- थाना सैदनगली पुलिस ने 14 मुकदमों में वांछित शातिर बदमाश सहित 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 3 भैंस, अवैध तमंचा और घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में फूलकुवंर, लुकमान और दानिश कुरैशी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना सैदनगली पुलिस ने यह सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने अभियुक्तों के कब्जे से 3 अदद चोरी की भैंस, एक अदद तमंचा .315 बोर, कारतूस और घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन बरामद किया है। अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही प्रचलित है। घटना के अनुसार, पुलिस टीम सकतपुर तिराहा कस्बा सैदनगली पर मौजूद थी, तभी सूचना प्राप्त हुई कि दो गांवों से चोरी की गई 3 भैंसों को चुराने वाले अभियुक्त उन्हें एक छोटे हाथी वाहन में भरकर बेचने हेतु ले जाने वाले हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा हुसैनपुर पुलिया सकतपुर रोड पर चेकिंग प्रारंभ की गई। इसी दौरान एक संदिग्ध छोटा हाथी वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा वाहन रोकने का प्रयास किया गया तो चालक ने वाहन तेजी से पुलिस टीम की ओर बढ़ा दिया, जिससे पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विकास कुमार, व0उ0नि0 दीपक कुमार, उ0नि0 अनिल कुमार त्यागी, उ0नि0 सतेन्द्र नागर और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, 2 अभियुक्त गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- थाना अमरोहा नगर पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया ई-रिक्शा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये है। गिरफ्तार अभियुक्तों में समद उर्फ अब्दुल और उवेश शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लाखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना अमरोहा नगर पुलिस ने यह सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने अभियुक्तों के कब्जे से ई-रिक्शा रंग पीला रजि0न0UP23AT3720 बरामद किया है, जिसमें चार बैटरा QUANTA कम्पनी के हैं। अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही प्रचलित है और उनका चालान न्यायालय किया जा रहा है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक यादव और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। इस घटना का अनावरण करते हुए पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था और पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया था।

मंडी धनौरा में जनगणना किट वितरण कार्यक्रम का समापन, प्रगणकों को निष्ठापूर्वक कार्य करने के मिले निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित एक निजी बैंकट हॉल में जनगणना कार्य हेतु प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का 'किट वितरण कार्यक्रम' का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे की अध्यक्षता में 557 प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को जनगणना किट वितरण की गईं। बता दें कि एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनगणना को एक संवेदनशील और राष्ट्रीय महत्व का कार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह देश के भविष्य के विकास की रूपरेखा तय करता है। दुबे ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे इस कार्य को पूरी निष्ठा, सावधानी और गोपनीयता के साथ संपन्न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि फील्ड में डेटा एकत्र करते समय किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी को समय-सीमा के भीतर त्रुटिहीन कार्य पूरा करना होगा। वितरित की गई किट में जनगणना से जुड़े आवश्यक प्रपत्र, आधिकारिक दस्तावेज, पहचान पत्र (आई-कार्ड) और डेटा एकत्र करने के लिए अन्य जरूरी स्टेशनरी सामग्री शामिल थी। अधिकारियों ने सभी कर्मियों को इन दस्तावेजों और सामग्रियों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर प्रशासनिक और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रगणकों का मार्गदर्शन किया। उपस्थित अधिकारियों में तहसीलदार मूसा राम थारु, खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, नायब तहसीलदार राजपाल, सौरभ कुमार, धीरे सिंह, मोहित, सचिन सिद्धू, निशांत चौहान, रमेश सैनी, राजीव शर्मा और पवन कुमार शामिल थे। इनके अतिरिक्त, ब्लॉक के बड़ी संख्या में कर्मचारी और पर्यवेक्षक भी मौजूद रहे।

डीपीआरओ ने किया ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण, अनियमितताओं पर सख्ती

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने विकास खंड जोया क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने ग्राम पंचायत सिरसा मनिहार में आवास योजना के प्रस्तावित लाभार्थियों का सत्यापन किया। इसमें 7 प्रस्तावित लाभार्थियों में से 5 को पात्र पाया गया, जबकि 2 को अपात्र घोषित किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सचिवालय में पंचायत सहायक मौजूद नहीं मिली। कंप्यूटर, विद्युत बैकअप और अन्य सुविधाओं संबंधी पूछताछ पर संतोषजनक जवाब न मिलने पर अधिकारी ने सख्त रुख अपनाया। ग्राम निधि से भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। साथ ही पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। अनुपस्थित पंचायत सहायक को नोटिस जारी किया जा रहा है।इसके बाद अधिकारी ग्राम पंचायत अदलपुर ताज पहुंचीं, जहां सामुदायिक शौचालय की मरम्मत कार्य प्रगति पर पाया गया। पंचायत घर जाने वाले रास्ते की खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए प्रधान को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए गए।फतेहपुर अब्बू में निमार्णाधीन अंत्येष्टि स्थल का भी निरीक्षण किया गया। यहां वुडस्टोर व ऑफिस पर लिंटर डाल दिया गया है, किंतु शवदाह स्थल पर अभी तक टिन शीट नहीं लगाई गई है। मौके पर पाई गई ईंटों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई।

पारुल सिसोदिया ने पंचायत सचिव को तत्काल ईंटें बदलने के निर्देश दिए और प्रधान व सचिव को नोटिस जारी करने की चेतावनी दी। उन्होंने मई माह के अंत तक निर्माण कार्य पूरा करने, ADO पंचायत को नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा सभी कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए।

कैनराबैंक आरसेटी संभल के लिए 30 वर्षों की भूमि लीज डीड संपन्न

ग्रामीण युवाओं के स्वरोजगार को मिलेगी नई उड़ान

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के स्वरोजगार एवं कौशल विकास को स्थायी दिशा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कैनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) संभल हेतु आवंटित भूमि की लीज डीड का निष्पादन शनिवार, 16 मई 2026 को उप निबंधक कार्यालय, चंदौसी में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।यह लीज डीड 18 मई 2026 से 16 अप्रैल 2056 तक, लगभग 30 वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी। इस समझौते के साथ, आरसेटी के स्थायी परिसर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिससे संस्थान को बुनियादी ढांचे के विकास में मजबूती मिलेगी।भूमि हस्तांतरण की इस प्रक्रिया में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। लीजदाता (सरकार की ओर से) के रूप में जिला प्रशासन की ओर से राम आशीष, जो जिला समन्वयक (DC) एनआरएलएम, संभल और परियोजना निदेशक (DRDA/DDO, संभल) भी हैं, ने हस्ताक्षर किए।लीजधारी (बैंक की ओर से) के रूप में सीबीसीआरडीटी (CBCRDT) की ओर से कैनरा बैंक आरसेटी संभल के निदेशक विनीत तिवारी ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।इस अवसर पर कैनरा बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक (LDM) ललित विजय राय और कैनरा बैंक बहजोई के प्रबंधक सावन कुमार गवाह के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में चंदौसी के उप निबंधक मनीष कुमार सिंह, आरसेटी संभल के कार्यालय सहायक सुजीत सिंह और कैनरा बैंक के पैनल अधिवक्ता लवकेश कुमार देवल की भी उपस्थिति रही।कैनरा बैंक आरसेटी के अधिकारियों के अनुसार, स्थायी भूमि मिलने से संस्थान के बुनियादी ढांचे और संस्थागत विकास को अत्यधिक मजबूती मिलेगी। इससे जनपद के बेरोजगार युवाओं, ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को आधुनिक कौशल विकास और स्वरोजगार का प्रशिक्षण देने के लिए बेहतर सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराए जा सकेंगे।यह पहल न केवल जिले के युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि ग्रामीण आजीविका संवर्धन और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को पूरा करने में भी एक मील का पत्थर साबित होगी।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवारों को रौंदा एंबुलेंस कर्मियों की सूझबूझ से बची दो जानें

गुन्नौर /संभल (सब का सपना):- संभल के गुन्नौर तहसील क्षेत्र अंतर्गत कादराबाद के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ जहां एक तेज रफ्तार पिकअप और बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को न सिर्फ समय पर अस्पताल पहुंचाया, बल्कि रास्ते में ही उनका प्राथमिक उपचार कर उनकी जान बचा ली।प्राप्त जानकारी के अनुसार, संभल के कादराबाद तहसील गुन्नौर निवासी सोमवीर (48 वर्ष) पुत्र लल्लू सिंह अपने एक साथी के साथ रिश्तेदारी से वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह कादराबाद के पास पहुंचे तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर ही लहूलुहान होकर तड़पने लगे। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों में हड़कंप मच गया। सड़क से गुजर रहे एक सजग नागरिक ने बिना देर किए आपातकालीन सेवा 108 पर कॉल कर दुर्घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस संख्या (UP 32 FG 2553) कुछ ही देर में घटनास्थल पर पहुंच गई।एंबुलेंस में तैनात ईएमटी इमरजेंसी मेडिकल टेक्निशियन भगवानदास ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने पायलट की मदद से घायलों को एंबुलेंस में शिफ्ट किया और तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी जुनावई की ओर रवाना हो गए। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मरीजों की हालत लगातार बिगड़ने लगी और अत्यधिक खून बहने लगा। ऐसे नाजुक समय में ईएमटी भगवानदास ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ईआरसीपी इमरजेंसी रेस्पॉन्स सेंटर फिजिशियनआगरा से संपर्क साधा। वहां से मिले चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार, उन्होंने चलती एंबुलेंस में ही मरीजों को ब्लीडिंग कंट्रोल की दवाइयां और गंभीर दर्द से राहत के लिए पेनकिलर सहित आवश्यक प्राथमिक उपचार दिया। इस त्वरित उपचार से मरीजों की स्थिति स्थिर हो सकी। एंबुलेंस कर्मियों की मुस्तैदी के कारण दोनों घायलों को सुरक्षित समय रहते सीएचसी जुनावई में भर्ती करा दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। एंबुलेंस कर्मचारियों की इस कर्तव्यनिष्ठा और त्वरित कार्य को देखकर घायल सोमवीर के परिजनों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। परिजनों ने नम आंखों से एंबुलेंस सेवा कर्मचारियों का दिल से आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

रोटरी क्लब मिडटाउन ने निकाली बाल सुरक्षा हेलमेट जागरूकता रैली

सैकड़ों छात्राओं ने उत्साह पूर्वक रैली में लिया भाग

हयातनगर/संभल(सब का सपना):-सुरक्षा हेलमेट अभियान' के अंतर्गत एक जागरूकता शिविर और रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कन्या इंटर कॉलेज, हयातनगर की छात्राओं द्वारा बेहद अनुशासित और सुंदर तरीके से किया गया। रैली में विद्यालय की लगभग 250 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में स्लोगन और बैनर थामे छात्राओं ने पूरे क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को यातायात नियमों और सामाजिक कल्याण के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान रोटरी क्लब संभल मिडटाउन द्वारा साइकिल चालकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए मुफ्त हेलमेट वितरित किए गए। क्लब के अध्यक्ष डॉ प्रशांत वार्ष्णेय ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एक विशेष व्याख्यान दिया, जिसमें बताया गया कि सड़क पर चलते समय सावधानी कैसे बरतें और हेलमेट का उपयोग करके दुर्घटनाओं से कैसे बचा जा सकता है। रैली के माध्यम से छात्राओं और क्लब के सदस्यों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने तथा गंभीर बीमारियों से बचाव (स्वास्थ्य सुरक्षा) के संदेश प्रसारित किए। इसके साथ ही, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों जैसे ईरान इजरायल संघर्ष और अमेरिका से जुड़े युद्ध के माहौल के बीच देश को सुरक्षित और सशक्त बनाए रखने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विचारों और सलाह से भी लोगों को अवगत कराया गया। मई महीने की तपती धूप और भीषण गर्मी को देखते हुए रोटरी क्लब संभल मिडटाउन द्वारा रैली में शामिल सभी छात्राओं को राहत देने के लिए ठंडे और स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ (हेल्दी ड्रिंक्स) वितरित किए गए, ताकि उन्हें डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक से बचाया जा सके। कार्यक्रम के समापन पर मिडटाउन के अध्यक्ष डॉ प्रशांत वार्ष्णेय अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उनका क्लब समाज के बेहतर स्वास्थ्य नारी शक्ति को बढ़ावा देने राष्ट्र भक्ति की भावना जगाने तथा गरीबों और वृद्धजनों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहता है। भारतीय समाज के उत्थान के लिए क्लब आगे भी इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियां जारी रखेगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय कन्या इंटर कॉलेज के प्रबंधक साहू दिनेश गुप्ता, कविता गुप्ता, प्रधानाचार्य, शिक्षक, स्टाफ,और रोटरी क्लब के अवधेश वार्ष्णेय, सुमित अग्रवाल, गौरव वार्ष्णेय,प्रिय रतन आर्य,मनोज वार्ष्णेय, हरदीप क्विटी, प्रियांशू वार्ष्णेय,शिवांश अग्रवाल,सुमित वार्ष्णेय,अमित गुप्ता, पराग आर्य ,पंकज ठाकुर, आदि स्थानीय लोग मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ट्रॉली हादसों पर पुलिस सख्त नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई तेज वाहन होंगे सीज

सम्भल (सब का सपना):- सड़कों पर बढ़ते ट्रैक्टर-ट्रॉली हादसों को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। हाल के दिनों में हुई कई दर्दनाक दुर्घटनाओं के बाद पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग केवल कृषि कार्यों के लिए निर्धारित है। इसके बावजूद, लोग नियमों की अनदेखी कर इसमें सवारियां बैठा रहे हैं और मासूमों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। क्षमता से अधिक सामान या सवारियां भरना। रिफ्लेक्टर और लाइट न होना रात के समय अंधेरे में इन वाहनों का दिखाई न देना। तेज रफ्तार अनियंत्रित गति से वाहन चलाना। कड़ी कार्रवाई की चेतावनी पुलिस प्रशासन ने साफ कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के न सिर्फ चालान काटे जाएंगे, बल्कि वाहन को सीज करने की कार्रवाई भी की जाएगी।सख्त कार्रवाई के साथ-साथ जनपद पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान भी तेज कर दिए हैं। पुलिस की टीमें गांव-गांव जाकर लोगों को समझा रही हैं कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर यात्रा करना कितना खतरनाक साबित हो सकता है। वाहन चालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित मानकों का पालन करें और ट्रॉली का उपयोग सिर्फ खेती-किसानी तक ही सीमित रखें। पुलिस का मानना है कि सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं है बल्कि यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि लोग जागरूक होकर नियमों का पालन करें तो सड़कों पर होने वाले बड़े हादसों को रोका जा सकता है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पालन करें ताकि सड़कों पर सुरक्षित माहौल बनाया जा सके।

किन्नर समाज को जनगणना 2027 के लिए किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने आज पालिका सभागार में नगर क्षेत्र के किन्नर समाज के सदस्यों के साथ विशेष बैठक की। बैठक में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई जनगणना 2027 की जानकारी दी गई और सभी को स्वः गणना करने के लिए जागरूक किया गया।उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया कि जनगणना का प्रथम चरण चल रहा है। नगर पालिका परिषद अमरोहा चार्ज क्षेत्र में सुपरवाइजर व प्रगणकों की नियुक्ति कर ली गई है। किन्नर समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें स्वः गणना के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ. कुमार ने कहा कि जनगणना राष्ट्र की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसमें हर नागरिक का सहयोग आवश्यक है।बैठक के दौरान किन्नर समाज के सदस्यों को स्वः गणना कैसे की जाए, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई और उनकी स्वः गणना भी कराई गई। इस अवसर पर जनगणना निदेशालय से जनपदीय ट्रेनर व्यास नंदन, पालिका के कर अधीक्षक केशव प्रसाद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. बृजेश कुमार ने किन्नर समाज से अपील की कि वे स्वयं गणना कर जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करें ताकि कोई भी व्यक्ति गणना से वंचित न रह जाए। यह बैठक किन्नर समुदाय को सरकारी योजनाओं और गणना प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक कदम माना जा रहा है।

मीरापुर खादर में आग का कहर, घरों में रखा अनाज और सामान जला

बिजनौर (सब का सपना):- मंडावर थाना क्षेत्र के गांव मीरापुर खादर में मंगलवार सुबह अचानक लगी भीषण आग ने दो परिवारों को भारी नुकसान पहुंचा दिया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दो भाइयों के घरों में रखा सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार गांव निवासी दयाराम और उनके छोटे भाई दीपक कुमार पुत्र रामकिशन के घरों में अचानक आग लग गई। शुरूआती समय में आग की लपटें इतनी तेज थीं कि परिवार के लोग केवल अपनी जान बचाकर बाहर निकल सके। घरों में रखा घरेलू सामान, कपड़े, अनाज, बर्तन और अन्य जरूरी सामग्री आग की भेंट चढ़ गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। बताया गया कि दीपक कुमार ने तीन दिन पहले अपने बैल बेचे थे, जिनके 20 हजार रुपये उन्होंने घर में रखे हुए थे। आग लगने के कारण नकदी भी जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को एकत्र किया और तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। ग्रामीणों की तत्परता से आग को अन्य घरों तक फैलने से रोका जा सका। घटना की सूचना डायल 112 और फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और दमकल विभाग मौके पर पहुंचा। तब तक ग्रामीण काफी हद तक आग पर काबू पा चुके थे। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बची हुई आग को पूरी तरह बुझाया और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। स्थानीय लोग शॉर्ट सर्किट या चूल्हे की चिंगारी को संभावित कारण मान रहे हैं, हालांकि प्रशासनिक स्तर पर जांच की जा रही है।

नगला खोखर में जल जीवन मिशन कार्यों का मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

पंवासा/संभल (सब का सपना):- जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकास खंड पंवासा की ग्राम पंचायत नगला खोखर में संचालित पेयजल परियोजना का मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंप हाउस, ओएचटी (ओवरहेड टैंक चहारदीवारी, क्लोरीन रूम तथा जल निगम द्वारा निर्मित संपर्क सड़क का गहन अवलोकन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने परियोजना के अंतर्गत संचालित नियमित जलापूर्ति व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर पेयजल आपूर्ति से संबंधित फीडबैक भी लिया।

निरीक्षण के समय सहायक अभियंता दिनेश कुमार, चर्चित चौधरी, फर्म प्रतिनिधि अभिषेक सिंह, ग्राम प्रधान, ग्रामवासी एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।, मुख्य विकास अधिकारी ने जल निगम, संबंधित सहायक अभियंताओं एवं कार्यदायी संस्था की सराहना करते हुए निर्देशित किया कि इसी प्रकार गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ कार्यों को पूर्ण कर प्रत्येक गांव में नियमित एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के भी निर्देश दिए।

ईओ ने ली प्रगणक एवं सुपरवाइजरों की मीटिंग

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- जनगणना संबंधित चार्ज अधिकारी नगर पंचायत उझारी ने जनगणना प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों की मीटिंग ली एवं उनका किटो, सामग्री वितरण किया गया। स्वयं गणना के लिए जागरूक किया गया। मंगलवार को नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में अधिशासी अधिकारी एवं जनगणना चार्ज अधिकारी विजयपाल सिंह ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों की मीटिंग लेकर उन्हें अपने दायित्व के बारे में समझाया। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वयं गणना के बारे में जागरूक किया जाए। मीटिंग में कीट एवं सामग्री का वितरण किया गया। जनगणना में 47 प्रगणक एवं 8 सुपरवाइजर लगाए गए हैं। मीटिंग में मुख्य रूप से अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, लिपिक नवीन कुमार अग्रवाल, लिपिक कृष्ण दत शर्मा, मोहम्मद यामीन, निजामुद्दीन, मोहम्मद जुहैब, बचन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

डी.डी.पी.एस. स्कूल पर जबरन शुल्क वसूली का आरोप, अभिभावकों ने उठाई आवाज

बिजनौर (सब का सपना):- बिजनौर में निजी स्कूलों की फीस नीति को लेकर अभिभावकों का गुस्सा खुलकर सामने आया। मंगलवार को बड़ी संख्या में अभिभावक कलेक्ट्रेट पहुंचे और निजी स्कूलों पर मनमानी फीस वसूली का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अभिभावक संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों का कहना था कि लगातार बढ़ती फीस और अतिरिक्त शुल्कों ने मध्यमवर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर दिया है।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि मुख्यालय पर संचालित डी.डी.पी.एस. स्कूल द्वारा 750 रुपये की अतिरिक्त राशि जमा कराने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि इस शुल्क का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया। अभिभावकों के अनुसार जब उन्होंने स्कूल प्रशासन से इस संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया तो उन्हें संतोषजनक जवाब देने के बजाय बच्चों का नाम काटने तक की चेतावनी दी गई। इस रवैये से अभिभावकों में भारी नाराजगी देखी गई। ज्ञापन में अभिभावक संघ ने चार सूत्रीय मांगें प्रशासन के सामने रखीं। उन्होंने सभी निजी स्कूलों में प्रतिवर्ष होने वाली फीस वृद्धि पर रोक लगाने, फीस के अतिरिक्त अन्य मदों में वसूली बंद कराने और स्कूलों द्वारा संचालित बुक सेंटरों पर कार्रवाई करने की मांग की। अभिभावकों का कहना था कि कई स्कूल सरकार के निर्देशों की अनदेखी कर अपने स्तर पर किताबें और अन्य सामग्री बेच रहे हैं, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। अभिभावकों ने यह भी मांग की कि हर वर्ष पाठ्यक्रम और किताबें बदलने की परंपरा समाप्त की जाए ताकि अभिभावकों को हर साल नई किताबें खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान मोहित चौधरी, अक्षय कुमार, मीनाक्षी शर्मा, रेनू वर्मा, अर्चना तिवारी, मीना सिंह, सुनीता, बबली, नेहा, ललित, राखी, प्रीति, फातिमा, सोनम, अमिताभ रानी, धर्म सिंह, देवेंद्र कुमार, मीनू रानी, पूनम, अंशु, साक्षी, उषा देवी, निधि, मलका, दीपा, बबीता, दीपेंद्र देशवाल, हिना समेत सैकड़ों अभिभावक मौजूद रहे।

अंबेडकर प्रतिमा विवाद को लेकर सांसद पहुंचे थे क्षेत्र, रास्ते में रोके गए

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना संसदीय क्षेत्र के सांसद चन्द्र शेखर आजाद को मंगलवार को ठाकुरद्वारा जाने के दौरान प्रशासन ने स्योहारा क्षेत्र में रोक दिया। सांसद दलित समाज के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनने के लिए ठाकुरद्वारा जाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील स्थिति और संभावित भीड़ का हवाला देते हुए उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद प्रशासन ने उन्हें स्योहारा स्थित अवध शुगर मिल के अतिथि गृह में बैठा दिया, जहां कई घंटों तक प्रशासनिक अधिकारियों और सांसद के बीच वार्ता चलती रही।

जानकारी के अनुसार प्रशासन ने सांसद को उनके धामपुर स्थित निवास से ही रोकने का प्रयास किया था, लेकिन वह वहां से निकलकर स्योहारा क्षेत्र तक पहुंच गए। बताया गया कि दोपहर करीब दो बजे वह अपने समर्थकों के साथ ठाकुरद्वारा की ओर रवाना होने लगे, तभी पुलिस अधिकारियों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। अधिकारियों ने सांसद को बताया कि संबंधित गांव में पहले से तनावपूर्ण माहौल है और वहां दलित व अन्य समुदायों के लोग बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जिससे स्थिति संवेदनशील हो सकती है। गेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उन्हें विदेश प्रवास के दौरान एक वीडियो प्राप्त हुआ था, जिसमें ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के प्रयास और दलित समाज के लोगों पर मुकदमे दर्ज किए जाने की बात सामने आई। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले दलित समाज की शिकायत पर कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, लेकिन बाद में दलित समाज के लोगों को ही मामलों में फंसा दिया गया। सांसद ने कहा कि समाज के लोगों ने उन्हें वीडियो भेजकर मदद की अपील की थी, जिसके बाद वह स्वयं गांव पहुंचकर पीड़ितों से मिलना चाहते थे। उनका कहना था कि वह दलित, पिछड़े और गरीब वर्ग की समस्याओं को सुनने और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हमेशा संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि चाहे पूरी रात क्यों न हो जाए, वह लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को जानेंगे और समाधान के लिए आवाज उठाएंगे। समाचार लिखे जाने तक सांसद अवध शुगर मिल गेस्ट हाउस में मौजूद थे, जबकि गांव से प्रतिनिधिमंडल बुलाने के प्रयास जारी थे। मौके पर बिजनौर और मुरादाबाद पुलिस प्रशासन के अधिकारी तैनात रहे और पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए थे।

भाकियू (अराजनैतिक) के कार्यकताओं ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना:- खुर्जा तहसील में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों व किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू ने बताया कि ज्ञापन में दाखिल-खारिज व पैमाइश में अवैध वसूली बंद कराने, नवीन सब्जी मंडी में किसानों के लिए चबूतरा, पेयजल, शौचालय व सफाई व्यवस्था कराने तथा अतिक्रमण हटाने की मांग की गई। इसके अलावा किसानों को समय पर खाद-यूरिया उपलब्ध कराने, ओवररेटिंग पर कार्रवाई, गांव माचीपुर में नाले की सफाई, गैस कालाबाजारी रोकने, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में अवैध वसूली बंद करने, आवारा पशुओं को गौशाला भेजने और किसानों को 18 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग उठाई गई। उप जिलाधिकारी ने सभी बिंदुओं पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

गंगा स्नान के दौरान किशोर की डूबकर मौत

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के राजघाट गंगा घाट पर बड़े मंगल के अवसर पर गंगा स्नान के दौरान 15 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान अश्वनी कुमार उर्फ जितेंद्र उर्फ जतिन (15) पुत्र सतेंद्र सिंह, निवासी अलीगढ़ के रूप में हुई है। वह अपने नाना-नानी के साथ स्नान करने आया था। मंगलवार सुबह पक्के घाट के पास स्नान करते समय किशोर गहरे पानी में चला गया। सूचना पर पुलिस और स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद किशोर को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

विधायक ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- आरएसएम ओलंपियन पब्लिक स्कूल में विधायक अनिल शर्मा द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र सौंपे गए। 95 फीसदी से अधिक अंक पाने वाले सभी मेधावियों को विशेष धनराशि के प्रतीकात्मक चेक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। भूमि चौधरी को 21 हजार रुपए का प्रतीकात्मक चेक सौंपा गया। मेधावियों को विधायक अनिल शर्मा के साथ साथ स्कूल की निर्देशिका प्रवेश चौधरी, प्रबंध समिति के अध्यक्ष हरेंद्र सिंह और प्रधानाचार्य विनोद प्रकाश शर्मा ने सम्मानित किया।

छतारी पुलिस ने दो शातिर अपराधी दबोचे

बुलन्दशहर (सब का सपना):- छतारी थाना पुलिस ने चोरी, छिनैती और जालसाजी करने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 100 ग्राम गांजा, चोरी की TVS अपाची मोटरसाइकिल, छीना गया मोबाइल, 3200 नकद और एक नाजायज छुरा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी राहुल उर्फ डेविड और दीपक राज के खिलाफ बुलन्दशहर व अलीगढ़ के विभिन्न थानों में पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेजा है।

आई केयर सेंटर में चोरी का प्रयास, एसी से कॉपर वायर निकालते सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन इलाके से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ मंडावर रोड स्थित जजी चौक के पास संचालित देव दृष्टि आई केयर सेंटर में एक चोर द्वारा चोरी के प्रयास की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह एक संदिग्ध युवक क्लीनिक परिसर में चुपके से घुस आया। क्लीनिक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि युवक वहाँ स्थापित एयर कंडीशनर (एसी) की आउटर यूनिट के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। वह आउटर यूनिट से कीमती कॉपर वायर (तांबे के तार) निकालने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान क्लीनिक में किसी व्यक्ति के आने की आहट हुई, जिसे भांपकर शातिर चोर पकड़े जाने के डर से तुरंत मौके से रफूचक्कर हो गया। क्लीनिक के संचालक डॉ. दिनेश कुमार डिमरी ने बताया कि हालांकि चोर किसी बड़ी चोरी को अंजाम देने में नाकाम रहा, लेकिन कॉपर वायर निकालने की इस कोशिश से एसी की आउटर यूनिट को काफी नुकसान पहुँचा है। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज के सोशल मीडिया पर वायरल होने से स्थानीय व्यापारियों और निवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। क्षेत्र के लोग इस फुटेज के आधार पर पुलिस से आरोपी युवक की जल्द शिनाख्त कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षक की पुण्यतिथि पर 70 मेधावी छात्र सम्मानित

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी ने गांव रामपुर में पूर्व प्रधानाध्यापक स्व. गोकुल सिंह हाथी वाले की पांचवीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2025-26 में प्रथम श्रेणी प्राप्त 70 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। डी बी जनता उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 60 से 80 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह तथा 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को विशेष सम्मान दिया गया। हाईस्कूल के इशू कुमार, रिचा तथा इंटर की इशिता शर्मा को मुख्य अतिथि द्वारा साइकिल, मोमेंटो और सम्मान पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी ने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से पढ़ाई कर उज्ज्वल भविष्य बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौरव कुमार शर्मा ने तथा संचालन निरमेश कुमार ने किया।

घर में घुसकर दंपति से मारपीट, दो पर मुकदमा दर्ज

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- भाईपुर सनेता में घर में घुसकर दंपति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दो आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी शिवराज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शाम के समय अपने घर पर मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान रिंकू सहित दो लोग उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने शिवराज के साथ मारपीट की।

बीच-बचाव करने आई उनकी पत्नी के साथ भी आरोपितों ने मारपीट की। घटना के बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी रामफल सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर रिंकू सहित दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

भाषा समर कैम्प में इतिहास और भूगोल की दी जानकारी

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पला कशेर में चल रहे भाषा समर कैंप के छठे दिन छात्राओं को इतिहास और भूगोल के अंतर्गत नदियों, पर्वतों एवं ऐतिहासिक स्मारकों की जानकारी दी गई। छात्राओं ने स्मारकों के चित्र बनाए और स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से संबंधित वीडियो भी देखे। प्रभारी प्रधानाचार्य अखलेश कुमार ने बताया कि समर कैंप से छात्राओं को ऐतिहासिक धरोहरों व भौगोलिक विषयों की उपयोगी जानकारी मिल रही है।

कुत्तों ने दौड़ाया तो पेड़ पर चढ़ गया गुलदार, वन विभाग के पिंजरे में फंसी मादा गुलदार

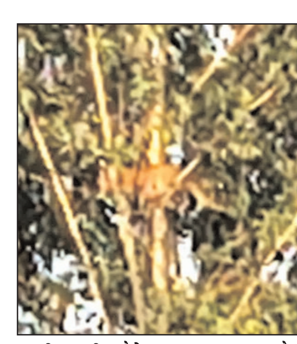

किरतपुर (बिजनौर)। गांव कुम्हेड़ा में कुत्तों के दौड़ाने पर गुलदार पेड़ पर चढ़ गया। किरतपुर क्षेत्र के गांव कुम्हेड़ा में सोमवार शाम ग्रामीण हरेंद्र सिंह, गौरव, सौरभ, सन्नी, अमृत आदि सोमवार शाम जंगल की ओर गए थे। इस दौरान यूकेलिप्टिस के पेड़ के नीचे कुत्तों का झुंड भौंकता हुआ मिला। ग्रामीणों ने पास जाकर देखा तो एक गुलदार पेड़ पर चढ़ा हुआ था। इसके बाद सूचना पर अन्य ग्रामीण भी मौके पर आ गए और कुत्तों को भगाया। इसके बाद भी काफी देर तक गुलदार पेड़ पर ही बैठा रहा। बाद में कुत्तों और ग्रामीणों के पीछे हटने पर गुलदार पेड़ से उतरकर जंगल में भाग गया। अवनीश निर्वाल ने गांव मे गुलदार होने की सूचना वन विभाग को दी और गांव मे पिंजरा लगवाने की मांग की है। उन्होंने ग्रामीणों से अकेले महिलाओं और बच्चों को जंगल मे जाने से मना करते हुए समूह बना कर जाने की सलाह दी है।

'न्यायिक हिरासत में ही रहेंगे नोएडा हिंसा के आरोपित', सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

नई दिल्ली। नोएडा में पिछले महीने औद्योगिक श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार दो आरोपितों को 15 मई के आदेश के अनुसार मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून अपना काम करेगा और दोनों आरोपित न्यायिक हिरासत में ही रहेंगे।जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने दोनों आरोपितों आदित्य आनंद और रूपेश राय से बातचीत की। दोनों आरोपितों ने पीठ को पुलिस हिरासत में उनके साथ कथित प्रताड़ना और गैरकानूनी बर्ताव के बारे में बताया। जस्टिस भुइयां ने टिप्पणी की कि आरोपितों के साथ इस तरह का बर्ताव नहीं किया जाना चाहिए। इसके बाद अदालत ने कहा कि यह याचिका लंबित होने के कारण दोनों आरोपितों को कानून के अनुसार राहत मांगने में कोई बाधा नहीं आएगी। आरोपितों को कोर्ट का निर्देश साथ ही आरोपितों को निर्देश दिया कि वे जांच में पुलिस के साथ सहयोग करें। शीर्ष अदालत आदित्य के भाई केशव आनंद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आदित्य के साथ हिरासत में हिंसा की। आदित्य के वकील कोलिन गोंसाल्विस ने दलील दी कि प्रताड़ना के कारण आरोपित को पुलिस हिरासत में नहीं रखा जाना चाहिए। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश एएसजी केएम नटराज ने दलील दी कि हर किसी के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार होना चाहिए।

किसान पर हमला करने वाला गुलदार पिंजरे में हुआ कैद

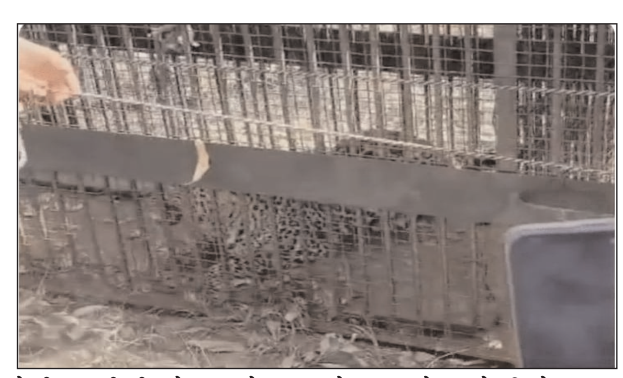

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम रहटा बिल्लोच गांव में सोमवार को किसान पर हमला कर घायल करने वाला गुलदार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। जिससे किसानों व क्षेत्र की जनता ने राहत की सांस ली। क्षेत्र के गांव रहटा बिल्लोच में किसान पर हमला करने वाले गुलदार को वन विभाग ने पिंजरे में कैद कर लिया है। गुलदार के पकड़े जाने के बाद गांव में फैले डर और दहशत का माहौल काफी हद तक शांत हो गया है। जानकारी के अनुसार, गांव रहटा बिल्लोच और आसपास के खेतों में पिछले कई दिनों से गुलदार की गतिविधियां देखी जा रही थीं। सोमवार को गांव निवासी जाहिद हुसैन अपने खेत पर सिंचाई करने गए थे। इसी दौरान अचानक गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। हमले में जाहिद गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गुलदार को पकड़ने के लिए खेतों के पास पिंजरा लगाया। रात के दौरान गुलदार पिंजरे में फंस गया। मंगलवार सुबह जब किसान खेतों की ओर पहुंचे, तो गुलदार की दहाड़ सुनकर उन्हें उसके पिंजरे में कैद होने की जानकारी मिली। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर लोगों को पिंजरे से दूर रखा।वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर गुलदार को पिंजरे सहित अपने कब्जे में ले लिया। चांदपुर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी दुष्यंत कुमार ने बताया कि पकड़ा गया गुलदार मादा है और उसकी उम्र करीब ढाई वर्ष है।

खबर एक्सप्रेस

अमृतसर में भीषण गर्मी का प्रकोप, 42 डिग्री तक पहुंचा पारा; अगले चार दिनों के लिए 'हीट वेव' का अलर्ट जारी

अमृतसर। अमृतसर में गर्मी विकराल रूप धारण करती जा रही है। मौसम विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को गुरु नगरी का अधिकतम का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूवार्नुमान के अनुसार शहर में आगामी चार दिनों तक हीट वेव चलने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 20 मई से 23 मई तक तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन भी सतर्क हो गया है। मंगलवार को अमृतसर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रहा। आने वाले दिनों में मौसम साफ रहने और तेज धूप पड़ने की संभावना जताई गई है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें विभाग ने विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक लोगों को घरों से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। भीषण गर्मी का असर जनजीवन पर भी साफ दिखाई देने लगा है। दोपहर के समय बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही कम हो रही है।गर्म हवाओं और तेज धूप के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ती गर्मी से लू, डिहाइड्रेशन, चक्कर आना और कमजोरी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। मेडिसिन डॉक्टर मनिंदर सिंह ने लोगों को अधिक मात्रा में पानी पीने, तरल पदार्थों का सेवन करने और धूप में निकलते समय सिर ढकने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार 24 और 25 मई को हीट वेव से कुछ राहत मिलने की संभावना है, हालांकि तापमान सामान्य से ऊपर बना रह सकता है।

अमृतसर में बीजेपी नेता तरुण चुघ की 'चाय पर चर्चा', पंजाब में बढ़ते नशे और गैंगस्टर नेटवर्क पर जताई गहरी चिंता

अमृतसर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ हाथी गेट स्थित शर्मा टी स्टाल पर चाय पर चर्चा की। पश्चिमी बंगाल में जीत के बाद पंजाब की बारी के पोस्टर लेकर भाजपाई वर्करों के साथ उन्होंने चाय की चुस्कियां ली और स्वयं चाय बनाकर लोगों दी और लड्डू भी बांटे।चुघ ने पंजाब की मौजूदा हालातों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पंजाब गंभीर चुनौतियों से गुजर रहा है, जहां नशा, गैंगस्टर गतिविधियां और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं आम जनता के लिए बड़ी चिंता का कारण बन चुकी हैं।पंजाब की जनता अब बदलाव चाहती है और एक मजबूत, सुरक्षित तथा विकसित पंजाब की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य पंजाब को विकास की नई दिशा देना है।पार्टी व्यापार, कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों को दौबारा से मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करना चाहती है, ताकि युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा हो सकें और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके।चुग ने सीएम भगवंत मान और आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के समय किए गए कई वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों से जुड़े मुद्दों पर सरकार अपेक्षित प्रदर्शन करने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब की जनता भाजपा को अवसर देती है, तो पंजाब को नशा मुक्त और गैंगस्टर मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

ईरान-अमेरिका तनाव का सीधा असर, अमृतसर में महंगे कच्चे माल ने रोकी मशरूम की खेती; संकट में उद्योग

अमृतसर। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव तथा होर्मुज में बाधा का असर अब पंजाब के मशरूम उद्योग पर भी साफ दिखने लगा है। हर वर्ष मई में शुरू होने वाली मिल्की मशरूम की खेती इस बार संकट में है। उर्वरक, कंपोस्ट और ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से अधिकांश उत्पादकों ने खेती शुरू ही नहीं की। हालात यह हैं कि अमृतसर जिले के जंडियाला गुरु, मानांवाला, वेरका और अजनाला जैसे प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में केवल 20 प्रतिशत किसानों ने ही इस बार मशरूम उत्पादन का जोखिम उठाया है।मशरूम उत्पादक जागीर सिंह का कहना है कि युद्ध जैसे हालात के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इसका सीधा असर नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों, कंपोस्ट और परिवहन लागत पर पड़ा है। पिछले कुछ सप्ताह में उर्वरक एवं कंपोस्ट के दाम तीन गुना तक बढ़ चुके हैं। जिन किसानों को पहले एक ट्राली कंपोस्ट 12 से 15 हजार रुपये में मिल जाती थी, उन्हें अब इसके लिए 35 से 40 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं।उधर, जंडियाला गुरु के मशरूम उत्पादक सरबजीत सिंह का कहना है कि मिल्की मशरूम की खेती नियंत्रित वातावरण पर निर्भर करती है। इसमें तापमान, नमी और साफ-सफाई बनाए रखने के लिए लगातार बिजली की आवश्यकता होती है, लेकिन डीजल और बिजली की लागत बढ़ने से उत्पादन खर्च अत्यधिक बढ़ गया है। उस पर प्लास्टिक पैकेजिंग और परिवहन भी महंगा हो चुका है। ऐसे में छोटे उत्पादकों के लिए लागत निकालना मुश्किल हो गया है। होर्मुज मार्ग प्रभावित होने से मानांवाला क्षेत्र में उर्वरकों की सप्लाई प्रभावित हुई है। कई कंपनियों ने समय पर माल पहुंचाने में असमर्थता जताई है, जबकि कुछ ने सीधे दाम बढ़ा दिए हैं। किसानों का कहना है कि यदि हालात सामान्य नहीं हुए तो आने वाले महीनों में मशरूम उत्पादन और घट सकता है। उल्लेखनीय है कि अमृतसर से उत्पादित मशरूम देश सहित विदेश में भी भेजा जाता है। अमृतसर का जलवायु मशरूम उत्पादन के लिए अनुकूल है। यही कारण है कि अमृतसर स्थित खालसा कालेज में मशरूम उत्पादन के लिए एक वर्षीय डिप्लोमा भी शुरू किया गया है। इस बार मांग के मुकाबले उत्पादन कम होगा। पंजाब में होटल इंडस्ट्री, रेस्टोरेंट, फास्ट फूड कारोबार और घरों में मशरूम की मांग अधिक है। वेजीटेरियन लोगों के लिए मशरूम पहली पसंद है। खासकर मिल्की व बटन मशरूम की मांग गर्मियों में अधिक रहती है। लेकिन इस बार उत्पादन कम होने से बाजार में भारी कमी देखने को मिल रही है। आने वाले दिनों में मशरूम के दाम में 30 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। पहले स्थानीय स्तर पर पर्याप्त उत्पादन होने से आपूर्ति सामान्य बनी रहती थी, लेकिन इस बार कई यूनिट बंद पड़े हैं। जिन किसानों ने उत्पादन शुरू भी किया है, वे सीमित मात्रा में मशरूम तैयार कर रहे हैं ताकि नुकसान का जोखिम कम रहे। मशरूम उद्योग पूरी तरह आयात आधारित कच्चे माल पर निर्भर नहीं है, लेकिन उर्वरक, रसायन और ईंधन की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव का सीधा असर इसकी लागत पर पड़ता है। निकट भविष्य में उपभोक्ताओं को महंगे मशरूम खरीदने पड़ सकते हैं। होटल और कैटरिंग व्यवसाय में यदि आपूर्ति कम रही तो मेन्यू की लागत बढ़ाना मजबूरी बन जाएगी। वास्तविक स्थिति यह है कि अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों की थाली तक पहुंचने लगा है। कभी सस्ती और पौष्टिक मानी जाने वाली मशरूम जल्द ही उपभोक्ता की पहुंच

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट में तीखी बहस, स्थानीय निकाय चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर के इस्तेमाल को चुनौती

चंडीगढ़। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों को ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से कराने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में मंगलवार को लंबी और तीखी बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह प्रमुख सवाल उठा कि जब राज्य चुनाव आयोग वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल करता आ रहा था तो अब अचानक पारंपरिक बैलेट पेपर प्रणाली पर लौटने का औचित्य क्या है। याचिकाकर्ता पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि पंजाब राज्य चुनाव आयोग अधिनियम की धारा 64 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 61-ए लगभग समान प्रकृति की हैं। चुनाव प्रक्रिया को बैलेट पेपर प्रणाली में वापस ले जाने की मांग उन्होंने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि चुनाव प्रक्रिया को बैलेट पेपर प्रणाली में वापस ले जाने की मांग अस्वीकार्य और अव्यवहारिक है। वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि ईवीएम प्रणाली को कानूनी वैधता वर्ष 2002 में ही मिल चुकी थी और उसके बाद लगातार अदालतों ने इसे बरकरार रखा है। बहस के दौरान अदालत के समक्ष यह भी रखा गया कि वर्ष 1984 में पहली बार ईवीएम के प्रयोग का प्रयास हुआ था, लेकिन उस समय वैधानिक प्रावधान नहीं होने के कारण उसे निरस्त कर दिया गया। बाद में संसद ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में धारा 61-ए जोड़ी और राज्यों ने भी अपने कानूनों में समान प्रावधान शामिल किए।

याचिकाकर्ता पक्ष ने कहा कि पंजाब कानून की धारा 64 में स्पष्ट स्पष्टीकरण दिया गया है कि जहां भी बैलेट बॉक्स या बैलेट पेपर का उल्लेख है, वहां ईवीएम को भी शामिल माना जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का विशेष उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि ईवीएम प्रणाली में अवैध वोट की संभावना समाप्त हो जाती है, मतगणना तेज होती है और बूथ कैप्चरिंग तथा धांधली की आशंकाएं कम होती हैं। अदालत को बताया गया कि शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि बैलेट पेपर प्रणाली की कमजोरियां सर्वविदित हैं और चुनावी पारदर्शिता के लिए ईवीएम अधिक प्रभावी माध्यम है। सुनवाई के दौरान क्या हुआ? सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से पूछा कि यदि ईवीएम उपलब्ध नहीं थीं तो उसका रिकॉर्ड और पत्राचार अदालत के समक्ष रखा जाए। इस पर राज्य चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि भारत निर्वाचन आयोग को ईवीएम उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा गया था, लेकिन मशीनें अन्य राज्यों में भेजी जा चुकी थीं और तत्काल उपलब्ध नहीं थीं।

आयोग ने कहा कि आंध्र प्रदेश समेत अन्य स्थानों से मशीनें मंगाने में समय और लॉजिस्टिक दिक्कतें थीं। हालांकि याचिकाकर्ता पक्ष ने इसका विरोध करते हुए कहा कि केवल प्रशासनिक कठिनाई के आधार पर वर्षों से लागू ईवीएम प्रणाली को अचानक समाप्त नहीं किया जा सकता। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य चुनाव आयोग से ईवीएम उपलब्धता संबंधी रिकॉर्ड पेश करने को कहा।

पंजाब में फिर हमले की साजिश? अमृतसर से बब्बर खालसा से जुड़े दो संदिग्ध गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

अमृतसर काउंटर इंटेलिजेंस पुलिस ने बब्बर खालसा से जुड़े दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं, और ये पंजाब में अशांति फैलाने की साजिश रच रहे थे।

अमृतसर। काउंटर इंटेलीजेंस अमृतसर पुलिस ने बब्बर खालसा से जुड़े दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई के दौरान अजनाला के बाजीगर मोहल्ला निवासी अजय नामक युवक को उसके एक साथी सहित हिरासत में लिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी विदेशी नेटवर्क के संपर्क में थे और पंजाब में अशांति फैलाने की साजिश रच रहे थे। दो हैंड ग्रेनेड बरामद जांच के दौरान दोनों आरोपियों से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच व पूछताछ में सामने आया है कि इन विस्फोटकों का इस्तेमाल सरकारी संस्थानों और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने के लिए किया जाना था। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि समय रहते कार्रवाई कर एक संभावित बड़ी वारदात को टाल दिया गया।आरोपियों से पूछताछ जारी

इस संबंध में थाना एसएसओसी अमृतसर में भारतीय दंड संहिता की 61(2) तथा एक्सप्लोसिव सब्सटेंस एक्ट की धाराओं 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपितों से पूछताछ की जा रही है और जांच के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आने की संभावना है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लेने की प्रक्रिया जारी है।

पंजाबी सिंगर इंदर कौर? नहर में शव मिलने से मचा हड़कंप, म्यूजिक इंडस्ट्री में दे चुकीं कई हिट गाने

लुधियाना। पंजाबी संगीत जगत से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। मशहूर पंजाबी गायिका इंदर कौर उर्फ यशविंदर कौर का शव लुधियाना की नीलो नहर से बरामद हुआ है। सिंगर पिछले छह दिनों से लापता थीं। इस घटना के बाद से उनके प्रशंसकों और स्थानीय इलाके में हड़कंप मच गया है। कौन थीं सिंगर इंदर कौर?

इंदर कौर उर्फ यशविंदर मूल रूप से पंजाब के लुधियाना की रहने वाली थीं और पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री का एक उभरता हुआ चेहरा थीं। उन्होंने 'सोहना लगदा', 'सोने दी चिड़ी', 'अफगान जट्टी' और 'किसान एंथम 2' जैसे कई हिट गानों में अपनी आवाज दी थी।उन्होंने मशहूर पंजाबी सिंगर गिप्पी ग्रेवाल के साथ 'सोने दी वंग' और देसी क्रू (ਦੇਸੀ ਕ੍ਰਿਊ) के साथ 'जट्ट माइंड' जैसे बेहद लोकप्रिय गानों में काम किया था। सिंगर के इंस्टाग्राम पर एक लाख 24 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वे अपनी तस्वीरें और गानों के अपडेट्स साझा करती रहती थीं।क्या है पूरा मामला?

शव की बरामदगीः सोमवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस को लुधियाना की नीलो नहर में एक शव होने की सूचना मिली, जिसकी पहचान सिंगर इंदर कौर के रूप में हुई। गन पॉइंट पर अपहरणः परिजनों के मुताबिक, छह दिन पहले इंदर कौर का गन पॉइंट (हथियार के बल पर) अपहरण कर लिया गया था। जबरन शादी का दबावः मृतका के परिवार ने आरोप लगाया है कि मोगा का रहने वाला एक युवक इंदर पर जबरदस्ती शादी करने का दबाव बना रहा था। जब इंदर ने शादी से इनकार कर दिया, तो आरोपी ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।फिलहाल पुलिस अपहरण और जबरन शादी के दबाव समेत सभी आरोपों को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रशंसकों में शोक की लहर इंदर के मौत की खबर से उनके प्रशंसक भी दुखी हैं। सिंगर की मौत की खबर फैलते ही सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों ने गहरा दुख जताया है। इंस्टाग्राम पर उनकी आखिरी पोस्ट्स पर लोग लगातार कमेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "दिल दहला देने वाली खबर।" वहीं एक अन्य ने लिखा, "बहुत दुखद... भगवान उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दे।"

पंजाब निकाय चुनाव की तस्वीर साफ, स्क्रूटनी के बाद मैदान में बचे 10,096 उम्मीदवार, 713 नामांकन पत्र हुए रद्द

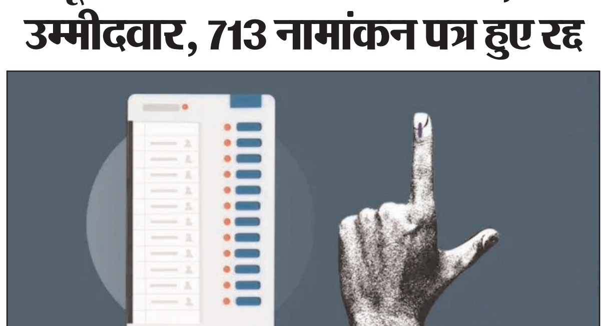

पंजाब निकाय चुनाव के लिए स्क्रूटनी के बाद 10096 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं, जबकि 713 नामांकन रद्द किए गए।

चंडीगढ़। पंजाब में 26 मई को होने वाले निकाय चुनाव को लेकर स्क्रुटनी के बाद योग्य उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी गई है। राज्य चुनाव आयोग से मिली जानकारी अनुसार नगर निगम नगर कौंसिल और नगर पंचायत की 105 सीटों के लिए कुल 10809 आवेदन जमा हुए थे। मंगलवार शाम तक आवेदन वापस लेने की अंतिम सीमा रखी गई है। सोमवार यानी 18 मई को चुनाव आयुक्त की ओर से स्क्रुटनी के बाद 10096 उम्मीदवार ही अब मैदान में रह गए हैं। स्क्रुटनी में 713 आवेदनों को विभिन्न कारणों से रद्द कर दिया गया है। जानकारी अनुसार आठ नगर निगम के चुनाव के लिए 2154 आवेदन आए जिसमें से 151 विभिन्न कारणों से कारण रद्द कर दिए गए । ऐसे में 2003 योग्य उम्मीदवार अब मैदान में रह गए हैं। उधर नगर कौंसिल की सीटों के लिए 7334 आवेदन जमा हुए जिसमें से 447 को रद्द कर दिया गया।अब चुनावी मैदान में 6887 उम्मीदवार ही बचे हैं। उधर नगर पंचायत के लिए कुल 1321 आवेदन आए जिसमें से 115 को रद्द कर दिया गया और अब मैदान में 1206 उम्मीदवार ही बचे हैं। मंगलवार को आवेदन लेने की अंतिम तिथि है। इसके बाद चुनाव में उम्मीदवारों की असली संख्या का पता चलेगा। आवेदन खारिज किए जाने को लेकर पंजाब के विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन भी जारी है। पंजाब में 26 मई को 105 सीटों के लिए निकाय चुनाव होने जा रहे हैं, जिसमें 29 मई को मतदान के बाद मतगणना और रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से इन चुनाव में 35000 के करीब कर्मचारियों और साडे 35000 सुरक्षा कर्मियों को चुनावी ड्यूटी पर तैनात किया गया है। चुनाव आयोग की ओर से इस बार मतदान वैलेट पेपर से करने का फैसला लिया गया है। इसे लेकर भी विपक्षी पार्टियों लगातार विरोध कर रही है।

पंजाब के अबोहर में चुनावी घमासान, कांग्रेस और अकाली दल के 14 उम्मीदवारों के नामांकन रद; जताया विरोध

अबोहर। कांग्रेस व अकाली दल के 14 नामांकन रद कांग्रेस व अकाली दल ने लगाया धरना राज नरूला अबोहर कांग्रेस व अकाली दल उम्मीदवारों के कई नामांकन पत्र रद्द होने के रोष स्वरूप कांग्रेस व अकाली दल द्वारा आज उपमंडल अधिकारी के कार्यालय के बाहर धरना लगाकर रोष प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला प्रधान हरप्रीत सिंह सिद्धू, सुधीर भादू के इलावा अकाली दल के हरविन्द्र सिंह हैरी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। इस अवसर पर हरप्रीत सिंह सिद्धू ने कहा कि उनके 8 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र प्रशासन द्वारा पंजाब सरकार के इशारे पर रद्द किये गये हैं।उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा उन्हे ये भी नहीं बताया गया कि रद्द किये गये नामांकन पत्रों में क्या कमियां रही है। सिद्धू ने बताया कि कांग्रेस के वार्ड नं 6 से उम्मीदवार पूजा, वार्ड नं 7 से जीवनजोत गोल्डी, वार्ड नं 13 से रवि कुमार, वार्ड नं 18 से शंकर लाल, वार्ड नं 19 से पूजा, वार्ड नं 23 से राकेश कुमार, वार्ड नं 38 से भगवंती देवी व वार्ड नं 48 से सुमन रानी के नामांकन रद किये गये है।अकाली दल ने भी जताया विरोध इसी तरह अकाली दल के हल्का इंचार्ज हरविन्द्र सिंह हैरी ने भी प्रशासन व सरकार पर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया। उन्होने बताया कि अकाली दल के 6 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द किये गये हैं।

जिनमें वार्ड नं 2 से गुरविन्द्र कौर, वार्ड नं 11 से सुनील कुमार, वार्ड नं 17 से जसवीर, वार्ड नं 22 से सोमा रानी, वार्ड नं 26 से स्वर्ण कौर व वार्ड नं 38 से मुस्कान सोनी का नामांकन पत्र रद्द किया गया है।

इसके इलावा वार्ड नं 19 से रेखा व वार्ड नं 38 से चांदनी छाबडा आजाद उम्मीदवार व वार्ड नं 49 से भाजपा के उम्मीदवार आकाश का भी नामांकन पत्र रद्द हुआ है।

उधर इस बाबत उपमंडल अधिकारी रविन्द्र ङ्कूषसह अरोडा ने कहा कि उन्होने कांग्रेस व अकाली दल के नेताओं को पेशकश की कि वे रद्द किये गये नामाकन पत्रों की त्रुटियों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। रद्द करने की प्रक्रिया कानून के अनुसार ही की गई है। किसी के साथ कोई पक्षपात नहीं किया गया। इस स्पष्टीकरण के बाद प्रदर्शनकारी अपने अपने घरों को चले गये। बाद में कांग्रेस नेता हरप्रीत सिंह ने कहा कि वे नामांकन पर रद्द होने के विरूद्ध उच्च न्यायालय का द्वार खटखटायेंगे

लुधियाना में जनता पर दोहरी मार, एक हफ्ते में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम; उद्योग जगत की चिंता बढ़ी

लुधियाना। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है। बीते 15 मई को तेल कंपनियों द्वारा दाम बढ़ाए गए थे और अब कुछ ही दिनों बाद दोबारा कीमतों में इजाफा होने से आम जनता, ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और उद्योग जगत की चिंता बढ़ गई है। नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। नई कीमतों के अनुसार पेट्रोल का रेट पहले 101.30 रुपये प्रति लीटर था, जिसे बढ़ाकर अब 102.16 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं डीजल की कीमत 91.04 रुपये से बढ़कर 91.93 रुपये प्रति लीटर हो गई है। लगातार दूसरी बार हुई बढ़ोतरी से वाहन चालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ना तय माना जा रहा है। कुबेर पेट्रो के राजू शर्मा ने बताया कि तेल कंपनियों की ओर से जारी नई दरों को तुरंत लागू कर दिया गया है।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका असर घरेलू बाजार पर भी पड़ रहा है। इसी कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बदलाव हो रहा है। दूसरी ओर, बढ़ते ईंधन दामों का असर रोजमर्रा की वस्तुओं और परिवहन खर्च पर भी पड़ने की संभावना जताई जा रही है। ट्रांसपोर्ट कारोबारियों का कहना है कि डीजल महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा असर बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर दिखाई दे सकता है।

चंडीगढ़ में संपत्ति विवादों का होगा अंत, ड्रोन सर्वे और जीआईएस मैपिंग वाला 'नक्शा प्रोजेक्ट' 15 जून तक होगा पूरा

चंडीगढ़। 15 जून तक प्रशासन की ओर से शुरू किया गया नक्शा प्रोजेक्ट (नेशनल जियोस्पेशियल नालेज आधारित लैंड सर्वे आफ अर्बन हैबिटेशन्स) का काम पूरा हो जाएगा।इस पायलट प्रोजेक्ट में पांच गांव बुड़ैल, अटावा, कजहेड़ी, पलसौरा और सारंगपुर और 15 सेक्टर (सेक्टर 2 से 17) शामिल हैं। ड्रोन सर्वे पूर्ण हो चुका है तथा संपत्तियों की फील्ड वेरिफिकेशन की जा रही है। इस प्रोजेक्ट के तहत इमारतों का प्रशासन की ओर से डिजिटल सर्वे किया जा रहा है ।सर्वे के दौरान अधिकृत टीमें घर-घर जाकर संपत्ति स्वामित्व से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है।यह परियोजना ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा भूमि प्रशासन के आधुनिकीकरण के लिए उन्नत भू-स्थानिक तकनीकों के उपयोग के तहत शुरू की गई है। यह डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम पर आधारित है और ड्रोन सर्वेक्षण, उच्च-रिजाल्यूशन इमेजरी तथा जीआईएस मैपिंग के माध्यम से भूमि पार्सलों की सटीक सीमांकन और उन्हें प्रापर्टी का मालिकाना विवरण से जोड़ने का कार्य करती है।प्रशासन के अनुसार शहरी गांवों में अक्सर पुराने मैनुअल रिकार्ड, आपस में ओवरलैपिंग दावे और अस्पष्ट सीमाओं के कारण संपत्ति विवाद उत्पन्न होते रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद मालिकाना हक में पारदर्शिता और कानूनी स्पष्टता आएगी। अधिकारियों के अनुसार रिकॉर्ड से संपत्ति विवाद कम होंगे तथा खरीद-फरोख्त और लीज प्रक्रियाएं तेज, सुरक्षित और धोखाधड़ी से मुक्त बनेंगी। साथ ही बैंक और वित्तीय संस्थानों को मालिकाना सत्यापन में आसानी होगी, जिससे ऋण स्वीकृति प्रक्रिया भी सरल होगी ।पायलट प्रोजेक्ट के बाद बाद बाकी शहर के अन्य एरिया का सर्वे किया जाएगा । प्रोजेक्ट का क्षेत्रफल 30.61 वर्ग किमी पहले सर्वे में लिए प्रोजेक्ट का क्षेत्रफल 30.61 वर्ग किमी है ।जिसमे एक लाख 47 हजार जनसंख्या रहती है । प्रशासन के अनुसार शहर की सभी इमारतों और उनके आकार-प्रकार का अब डिजिटल रिकार्ड तैयार किया जाएगा। इसके लिए 20 टीमें गठित काम कर रही है। जो कि इन सेक्टरों में आ रही है सर्वे टीम शहर की हर इमारत की तस्वीर लेगी और उसके क्षेत्रफल, ऊंचाई और उपयोग की जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी।

अब तक यह रिकार्ड मैनुअल तरीके से रखा जाता था जिससे विवाद और रिकॉर्ड की कमी जैसी समस्याएं सामने आती थीं। डिजिटल रिकार्ड तैयार होने के बाद किसी भी संपत्ति विवाद की पुष्टि मिनटों में हो सकेगी।प्रशासन के पास प्रत्येक इमारत का सही डेटा रहेगा।

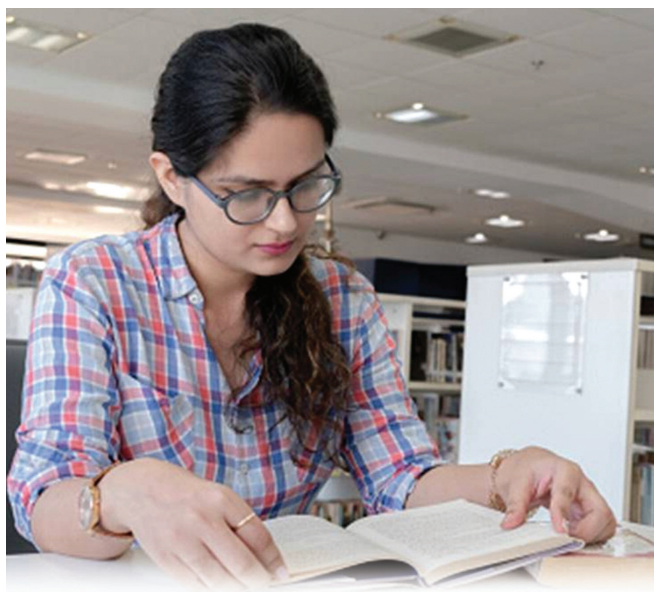

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

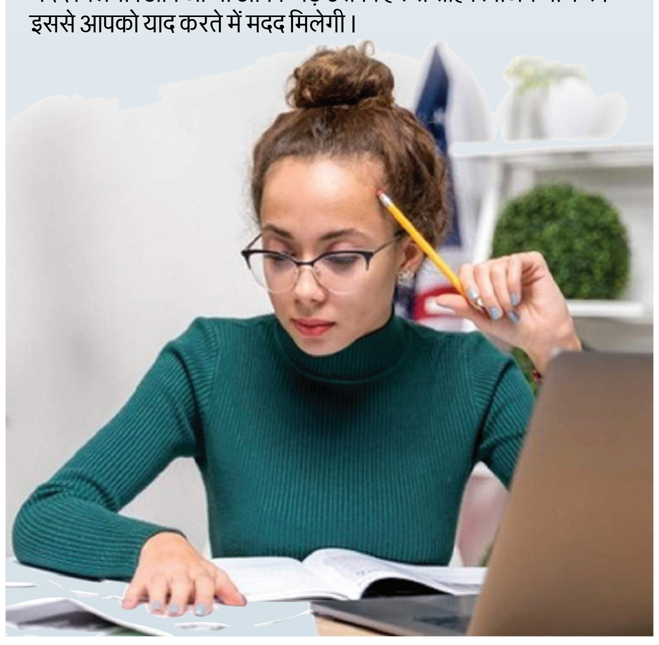

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स–रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि–उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट–अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

हनु-मान के बाद अब महाकाली में दिखेंगे रोहित सराफ

मुंबई आरकेडी स्टूडियोज और फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। 'हनु-मान' की दुनिया के अगले अध्याय 'महाकाली' से अब अभिनेता रोहित सराफ जुड़ गए हैं। यही नहीं, रोहित ने इस फिल्म के लिए हैदराबाद में शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे फिल्म की कहानी को एक नया मोड़ मिल गया है।

गौरतलब है कि रोहित सराफ के जुड़ने से फिल्म की स्टारकास्ट और मजबूत हो गई है। खासकर नॉर्थ इंडिया में उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है, जो फिल्म को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में मदद करेगी। हालांकि फिल्म में अक्षय खन्ना और भूमि शेट्टी भी अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं और दोनों कलाकारों के फर्स्ट लुक पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुके हैं।

फर्स्ट लुक के ज़रिए उनके दमदार और इंटेंस अंदाज को देखते हुए फिल्म से दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। भव्य स्तर पर बनाई जा रही 'महाकाली' का निर्माण आरके दुग्गल और रिवाज रमेश दुग्गल द्वारा आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा की उस सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसे 'हनु-मान' की सफलता के बाद और आगे बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे आने वाले समय की सबसे बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

सलमान खान के एक आइडिया ने 'रेडी' में मेरे किरदार को बना दिया यादगार

'सेक्रेड गेम्स', 'रेडी, 'गली बॉय' जैसी वेबसीरीज और फिल्मों में काम कर चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने 'रेडी' के किरदार को लेकर बात की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्म में उनके रोल को खास बनाने का आइडिया सुपरस्टार सलमान खान का था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी बात करती नजर आईं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'रेडी' मिलने का अनुभव साझा किया। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और इसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। कुब्रा ने बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए छोटे काले रंग की ड्रेस पहनकर ऑडिशन दिया था और अनीस बज्मी की मंजूरी का इंतजार था। शुरुआत में फिल्म में उनके कोई डायलॉग नहीं थे और उन्हें एक नौकरानी का किरदार मिला था। लेकिन, बाद में सलमान खान ने सुझाव दिया कि उनके किरदार को टूटी-फूटी इंग्लिश बोलने वाली मेड बनाया जाए, जिससे उनका रोल खास बन गया।

अभिनेत्री ने कहा, ''यह वही ऑडिशन था, जिसमें मैंने छोटी ब्लैक ड्रेस पहनी थी और अनीस बज्मी के ऑफिस में उनके 'हां' कहने का इंतजार कर रही थी। इस ऑडिशन में मुझे फिल्म 'रेडी' में एक मेड का रोल मिलने वाला था और मैं इसे लेकर बहुत एक्साइटेड थी। इस फिल्म को करते समय मेरे अंदर बहुत आत्मविश्वास था क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था।'' उन्होंने कहा, ''मैंने इससे पहले कभी फिल्म नहीं की थी।

फिल्म में मेरे लिए कोई डायलॉग नहीं था। फिर सलमान खान ने कहा, 'क्यों न इसे ऐसी मेड बनाया जाए जो टूटी-फूटी भाषा, खासकर टूटी-फूटी इंग्लिश बोलती हो?' अनीस सर को यह आइडिया बहुत पसंद आया और तभी मुझे फिल्म में डायलॉग मिले।''

उन्होंने आगे कहा, ''हर किसी ने मुझसे कहा कि 'रेडी' जैसा रोल करके मैं पागलपन कर रही हूं और बहुत जल्दबाजी दिखा रही हूं। अगर मैंने 'रेडी' नहीं की होती, अगर मैं इतना पागलपन नहीं दिखाती, तो मैं कभी 'कुकू' नहीं बन पाती। कभी 'न' मत कहो। कोई रोल छोटा नहीं होता, सिर्फ अभिनेता छोटे होते हैं। यह जिंदगीभर की सीख है।'

दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं

सैफ अली खान नई फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे, जो ओटीटी पर रिलीज होगी। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' और पुरानी फिल्म 'ओमकारा' के किरदारों की तुलना पर अपनी राय दी है। जब सैफ से पूछा गया कि पवन सिंह (कर्तव्य) और लंगड़ा त्यागी (ओमकारा) के किरदारों में समानता है या नहीं, तो सैफ ने कहा, 'ओमकारा' की वजह से ही निर्देशक पुलकित को विश्वास हुआ कि वह पवन की भूमिका अच्छे से निभा सकते हैं।' सैफ ने आगे बताया कि 'ओमकारा' फिल्म के बाद लोग उन्हें एक गंभीर अभिनेता के रूप में मानने लगे।

यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है मीडिया से बात करते हुए सैफ ने कहा, 'अगर कोई जुड़ाव है तो यह कि लोग सोचते हैं मैं शहर में बड़ा हुआ हूं और थोड़ी अंग्रेजी बोलता हूं। लेकिन पुलकित जैसे निर्देशक ने 'ओमकारा' देखी होगी, इसलिए उन्हें पता है कि मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभा सकता हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों किरदारों में सिर्फ बोली की कुछ समानता हो सकती है। सैफ ने आगे कहा, 'हम लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। लोग कहते हैं कि 'यह नहीं कर सकता' या 'वह नहीं कर पाएगा'। इसलिए 'ओमकारा' की वजह से लोग मुझे अब गंभीरता से लेते हैं, इसके लिए विशाल भारद्वाज को बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलकित ने 'ओमकारा' देखी और सोचा कि मैं यह भूमिका कर सकता हूं। देसी लहजे को सीखना और समझना बहुत मजेदार है, मुझे इसमें बहुत आनंद आता है।' सैफ अली खान क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे। इस फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

पति पत्नी और वो 2 को लेकर उत्साहित सारा अली खान

अपनी अपकमिंग ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर अभिनेत्री सारा अली खान उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री आए दिन मजेदार बातें दर्शकों के साथ साझा कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया। सारा अली का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार खास है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार 'नीलोफर' में थी। आईएएनएस से बातचीत में आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली को रकुल प्रीत का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत की कॉमिक टाइमिंग की भी खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बहुत अच्छा लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।' इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना आसान और मस्ती भरा हो जाता है।'

चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया पर बोलीं दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता इन दिनों वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर वाहवाही बटोर रही हैं। शशांत शाह द्वारा निर्देशित 6-एपिसोड की सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से अपनी शानदार कहानी को लेकर वाहवाही बटोर रही है और सभी कलाकारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री दिव्या दत्ता का कहना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे हर लड़की अपने आपको जोड़ पा रही है। अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया। इसमें वे कहती हैं, 'हर कोई चिरैया देख रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बोलने की हिम्मत मिली है।' अभिनेत्री ने उस महिला का वाक्य बताते हुए कहा, 'जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे बात करना चाहती थी।' उन्होंने मुझसे कहा, 'मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने 'चिरैया' देखी और मैं बहुत रोई। उसके बाद मुझे उनका सामना करने की हिम्मत मिली।' दिव्या दत्ता ने कहा, 'सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रिया सुनने को मिल रही है। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत है। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया गया जाए तो लोग कहानी से खुद को जोड़ते हैं, तो यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है।

अब लोग जानेंगे कि मेरे दिमाग में सच में क्या चलता है

'बालिका वधू' की छोटी आनंदी बनकर घर-घर पहचान बनाने वाली अविका गौर अब एक बार फिर 'खतरों के खिलाड़ी' के मंच पर लौट रही हैं। लेकिन, इस बार उनकी वापसी सिर्फ एक रियलिटी शो का हिस्सा बनने के लिए नहीं है। सीजन 9 में सबसे पहले बाहर होने के बाद अविका अब अपने डर, अपनी पुरानी छवि और खुद की कमजोरियों से दोबारा भिड़ने जा रही हैं। बातचीत के दौरान अविका ने साफ कहा कि पहले वाली 'सहन करने वाली' लड़की अब बदल चुकी है। अब वह किसी की भी बदतमीजी चुपचाप सहने वालों में से नहीं हैं।

मेरे अंदर की बहादुर लड़की को लोगों ने कभी देखा ही नहीं

अविका मानती हैं कि इस बार शो में सबसे बड़ा चैलेंज कोई स्टंट नहीं, बल्कि खुद को बिना किसी पर्दे के लोगों के सामने रखना है। उन्होंने कहा, 'लोगों को ये देखना चाहिए कि उस मासूमियत के साथ मेरे अंदर एक ऐसा हिस्सा भी है जो बहादुर है और मुश्किल चीजों से डरता नहीं है। मैं चुनौतियों से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं। मुझे लगता है कि लोगों ने हमेशा मेरा सिर्फ एक ही रूप देखा है। लेकिन अब शायद वो समझ पाएंगे कि मैं मेंटली कितनी मजबूत हूं और मुश्किल हालात को संभाल सकती हूं।'

मैं हमेशा सोच-समझकर बोलती थी... अब वो रोक हटानी है

इस बार अविका को सबसे ज्यादा डर ऊंचाई या खतरनाक एक्शन से नहीं...बल्कि उन चीजों से लग रहा है जिनका नाम सुनकर भी वह असहज हो जाती हैं। 'मुझे लगता है सबसे ज्यादा तनाव खुद को एक बिल्कुल अलग माहौल में साबित करने का है। रियलिटी शो मेरा जोन कभी नहीं रहे। मैं हमेशा बहुत सावधान रही हूं कि मुझे क्या बोलना चाहिए, कैसे रिएक्ट करना चाहिए ...मेरी छवि कैसी दिखनी चाहिए। मैं हर चीज बहुत सोच-समझकर बोलती हूं। लेकिन रियलिटी शो में आप हर वक्त खुद को रोक नहीं सकते। मुझे लगता है कि उस रोक को हटाना किसी भी स्टंट से ज्यादा मुश्किल है। शायद पहली बार लोग मुझे बिल्कुल असली रूप में देखेंगे।' अविका मानती हैं कि इस बार लोग उनका ऐसा रूप देखने वाले हैं, जिसे उन्होंने वर्षों तक सबसे छिपाकर रखा। 'मैं खुद को बहुत ज्यादा कॉम्पिटिटिव नहीं कहूंगी। ऐसा नहीं है कि मैं प्रतियोगिता के बिना नहीं रह सकती। मुझे मस्ती करना पसंद है। लेकिन अगर मैं किसी प्रतियोगिता का हिस्सा हूं, तो मैं उसे हल्के में भी नहीं लूंगी। मैं पूरी ईमानदारी के साथ मुकाबला करूंगी। मुझे लगता है कि रोहित शेट्टी मेरा बदलाव देखकर हैरान होंगे। क्योंकि जब मैं सीजन 9 में 21 साल की उम्र में गई थी, तब मैं बहुत नासमझ थी। मैं बेवकूफ थी, खुद को लेकर असमंजस में थी और काफी मोटी भी थी... लेकिन अब मैं बहुत अलग हूं। अब मैं खुद को ज्यादा समझती हूं।' शो में जाने से पहले उनके घरवाले भी काफी तनाव में हैं। वजह सिर्फ स्टंट्स नहीं, बल्कि अविका का बदला हुआ स्वभाव भी है। 'मुझे लगता है लोग मेरे असली और बेबाक रूप के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। मैंने हमेशा अपने उस रूप को बहुत छिपाकर रखा है। मैं कई चीजें बोलना चाहती थी लेकिन खुद को रोक लेती थी। लेकिन अब मुझे लगता है कि लोगों को ठीक वैसे ही देखना चाहिए कि मेरे दिमाग में क्या चलता है, मैं हालात को कैसे देखती हूं और असल में मैं कैसी हूं।'

पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी... अब बिल्कुल नहीं

'सब लोग एलर्जी और शरीर पर होने वाले रिएक्शन को लेकर बहुत ज्यादा परेशान हैं। वो नहीं चाहते कि पिछली बार जैसा अनुभव दोबारा हो। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता इस बात से ज्यादा डरते हैं कि अगर किसी ने गलत व्यवहार किया तो मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगी, क्योंकि पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी। मैं बहुत चीजें नजरअंदाज कर देती थी। लेकिन अब मैं किसी की भी बदतमीजी बर्दाश्त नहीं करती। अगर कुछ गलत लगे तो मैं चुप नहीं रह पाती।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।